प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

वर्ष-4 | अंक-38 | मथुरा, शनिवार, 4 अप्रैल 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

लेखपाल और साथी के खेत सर्वे ने मचाई सनसनी

खेत में लगी आग में भी किसानों से सुविधा शुल्क का खेल

लेखपाल के साथ 'सुविधा शुल्क' वसूलने वाला 'विकास' कौन?

गुड फ्राइडे की छुट्टी पर खेत में आग, फिर बोला— आग लगा लो, हम तुम्हारा भी सर्वे कर देंगे!

चश्मा लगाए विकास एवं टोपी लगाए लेखपाल।

खेत में पड़े पुआल में आग बुझने के बाद ।

मौके पर मौजूद किसान ।

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। सरकारी छुट्टी के दिन जब प्रशासनिक मशीनरी ठंडी पड़ी हुई थी, उसी समय एक लेखपाल और उसके संगी ने किसानों के खेत में ऐसी घटना को अंजाम दिया कि पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। फसल कटाई के दौरान कम्बाइन हार्वेस्टर की लापरवाही से हाई–वोल्टेज बिजली की लाइन से टकराव हुआ, चिंगारियों ने खेत में पड़े पुआल को आग की भेंट चढ़ा दिया। पड़ोसी किसानों की त्वरित सूझ–बूझ से आग पर काबू पा लिया गया, वरना खड़ी फसल जलकर राख हो जाती। गांव घड़ी तिरखा ग्राम पंचायत बरौदा मशरकपुर, बरौदा जुड़ावई रोड पर आग बुझने के डेढ़ घंटे बाद मौके पर पहुंचे लेखपाल चन्द्रशेखर वर्मा और उनके साथ आए चश्माधारी व्यक्ति विकास ने जो बयान दिया, वह सुनकर हर कोई दंग रह गया।

शुक्रवार को गुड फ्राइडे की सरकारी छुट्टी थी। दोपहर करीब तीन बजे एक किसान के खेत में कम्बाइन हार्वेस्टर फसल काट रही थी। ड्राइवर की लापरवाही के कारण खेत से बाहर निकलते समय हार्वेस्टर हाई–वोल्टेज विद्युत लाइन से टकरा गई। तार आपस में टकराए, भयंकर स्पार्किंग हुई और चिंगारियां खेत में बचे पुआल पर गिर पड़ीं। आग तेजी से भड़क उठी।

मौके पर काम कर रहे पड़ोसी किसानों ने तुरंत पानी का छिड़काव शुरू कर दिया। उनकी सक्रियता से आग खड़ी फसल तक नहीं पहुंच सकी। एक बड़ा हादसा टल गया। इस अग्निकांड की सूचना अग्निशमन विभाग को नहीं दी गई। पुलिस भी मौके पर नहीं पहुंची। अग्निशमन विभाग ने स्पष्ट किया कि इस घटना से जुड़ी कोई रिपोर्ट हमारे पास नहीं है। जब इस प्रकरण की जानकारी तहसील से ली गई तो सामने आया कि विकास नाम का यह व्यक्ति राजस्व विभाग में न तो कोई स्थायी कर्मचारी है न आउटसोर्सिंग पर तैनात। फिर भी वह लेखपाल चन्द्रशेखर वर्मा के साथ लगातार रहता है और खेतों का 'सर्वे' करने जाता है। स्थानीय किसानों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, "लेखपाल साहब विकास को इसलिए साथ रखते हैं ताकि सुविधा शुल्क आसानी से वसूला जा सके।"घटना के करीब डेढ़ घंटे बाद यानी 4:30 बजे लेखपाल चन्द्रशेखर वर्मा विकास को साथ लेकर मौके पर पहुंचे और खेत का सर्वे शुरू कर दिया। जब एक किसान ने पूछा, "लेखपाल जी, आज छुट्टी है, क्या कर रहे हैं?" तो विकास ने तपाक से जवाब दिया– "तुम अपने खेत में आग लगा लो, हम तुम्हारी भी सर्वे कर लेंगे।"

यह बयान सुनकर मौजूद किसान सकते में आ गए। जब विकास के बारे में एसडीएम सदर अभिनव जैन से जानकारी ली गई तो उन्होंने कहा, "इस नाम का कोई व्यक्ति राजस्व विभाग में पदस्थ ही नहीं है।"

स्थानीय किसान अब खुलकर बोल रहे हैं। एक किसान ने कहा, "आग तो हमने बुझा ली, लेकिन अगर विकास और लेखपाल जैसी मानसिकता बनी रही तो कभी भी बड़ा नुकसान हो सकता है।

मथुरा में नकली दवा का बाजार गर्म

रोगी को आराम न मिलने पर परिवार वाले सोचते हैं

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। नकली दवा या असली। इस बात का पता लगाना मुश्किल हो चला है। बाजारों में नकली दवा की बिक्री तेजी पकड़ती जा रही है। इसलिए रोगियों को आराम नहीं मिल पा रहा है। पिछले दिनों आगरा समेत कई जिलों में नकली दवा पकड़ने की खबरों ने रोगी और उनके तीमारदारों को चौंका दिया था। सोचने को विवश कर दिया था कि वह जो दवा का सेवन कर रहे हैं, वह असली है या नकली। इस समय कुछ लोगों ने धनाढ्य बनने के चक्कर में उतराखंड के हरिद्वार और हिमाचल प्रदेश के कई शहरों में नकली दवा बनवाना शुरु कर दिया। फिर उसे यूपी के कई जिलों में लाकर सप्लाई करते हैं। इन दवाओं के बेचने के लिए कई एमआर निजी डाक्टर और मेडिकल स्टोरों पर करीब 50 प्रतिशत का कमीशन समेत अन्य प्रलोभन देकर दवा की बिक्री कराते है। उनको इस बात से कोई सरोकार नहीं है कि रोगी को फायदा मिले या नहीं। किसी किसी रोगी का परिवार इलाज कराते– कराते इतना कर्जदार हो जाता है कि उसकी जायदात गिरवी तक रख जाती है। गिरवी रखने के बाद झटका तब अधिक लगता है कि जब हास्पीटल में दम तोड़ देता है। कई हास्पीटलों में ऐसी स्थिति बनने के बाद तीमारदारों का गुस्सा सातवें आसमान पर दिखाई देता है। उनक आरोप होता है कि दवा की कीमत पूरी की पूरी वसूली गई। छूट की बात कोई नहीं होती है। निजी हास्पीटलों के अंदर ही मेडिकल स्टोर खोल रखे हैं।

वजह कोई भी तीमारदार दवा लेने के लिए बाहर नहीं जाए। शहर, कसबा और ग्रामीण अंचलों में झोला छाप डाक्टरों के क्लीनिक ऐसे चल रहे हैं, जैसे उनको सरकार ने मान्यता दे रखी है। ऐसी क्लीनिकों पर स्वास्थ्य विभाग के कुछ अधिकारियों की भी सीधी निगाह रहती है और अपनी जेब भरने के बाद लौट आते हैं।

पांच करोड़ की लागत से बनेंगी तीन ग्रामीण सड़कें

एमएलसी ओमप्रकाश सिंह के प्रयास सफल

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश विधान परिषद सदस्य ठाकुर ओमप्रकाश सिंह के प्रयासों से जनपद में तीन ग्रामीण सड़कों के निर्माण को मंजूरी मिल गई है। त्वरित आर्थिक विकास योजना के अंतर्गत इन परियोजनाओं के लिए लगभग पांच करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।

इन सड़कों के निर्माण से गोवर्धन विधानसभा क्षेत्र के गांवों के लोगों को राहत मिलेगी और आवागमन पहले की अपेक्षा अधिक सुगम हो सकेगा। लंबे समय से खराब पड़ी ग्रामीण सड़कों के कारण ग्रामीणों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।

उन्होंने ने बताया कि इस संबंध में जिलाधिकारी मथुरा को पत्र लिखकर क्षेत्र की जर्जर सड़कों की स्थिति से अवगत कराया था। स्वीकृत परियोजनाओं के अंतर्गत गांव राल में नाले से लेकर गांव बढ़ौता तक लगभग दो किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा गांव आन्यौर बाईपास से पूंछरी के लौठा (राजस्थान सीमा) तक लगभग 1.5 किलोमीटर सड़क बनाई जाएगी। वहीं, गांव लोरिया पट्टी पाली डूंगरा मुख्य मार्ग से नगला जीवन तक करीब 1100 मीटर लंबी सड़क का निर्माण भी प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर कनेक्टिविटी उनकी प्राथमिकता है। इन सड़कों के बन जाने से न केवल लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी, बल्कि किसानों और स्थानीय व्यापारियों को भी आर्थिक रूप से लाभ पहुंचेगा।

जांच और खुलासे

अमीरी बनाए रखने की लालसा से बिजनेसमैन बना साइबर ठग

600 करोड़ तक पहुंच सकती है ठगी की रकम

फर्जी कंपनियों और डिजिटल ठगी का नेटवर्क

मोबाइल पर फर्जी एपीके फाइल डाउनलोड कराकर होती थी ठगी

ठगी की रकम पत्नी, बेटा और दो बेटियों तक पहुंचती थी

यूनिक समय, मथुरा। साइबर ठगी इस कदर बढ़ चुकी है कि अब बड़े उद्योगपति भी इस डिजिटल ठगी में उतर आए हैं और करोंड़ों रुपये की ठगी कर रहे हैं। वैसे तो साइबर ठगी ज्यादातर बेरोजगार तथा अपराध से जुड़े लोग ही करते थे लेकिन अब ठगी करने वालों का पैटर्न तेजी से बदल रहा है, जिससे लोगों का जागरुक होना जरूरी है। यूनिक समय की टीम ने ऐसे ही एक बड़े डिजिटल ठगी के मामले की तह तक पहुंचकर खुलासा किया है तथा लोगों को ऐसे ठगों से सावधान रहने के लिए चौकन्ना किया है।

यूनिक समय की टीम ने मामले की पड़ताल शुरू की तो पता चला कि कोलकाता में रुइया ग्रुप के चेयरमैन पवन कुमार रुइया जो कभी टर्नअराउंड टायकून के नाम से प्रसिद्ध थे अब साइबर ठगी के गंभीर आरोपों में पुलिस रिमांड पर हैं। उनके खिलाफ साइबर अपराध शाखा द्वारा जांच की जा रही है। यूनिक समय की टीम को जांच अधिकारियों ने बताया कि पहले ठगी की राशि 315 करोड़ रुपए थी, लेकिन अब यह लगभग 600 करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है। वहीं पूछताछ में बताया गया कि वर्ष 2003 में वित्तीय संकट में फंसी 225 साल पुरानी पीएसयू जेसप एंड डनलप जैसी कंपनियां अधिग्रहित कीं और इन्हें लाभप्रद बनाने का दावा किया। पवन रुइया ने मैसूर के फाल्कन टायर और जर्मनी में तीन कंपनियां खरीदीं। हालांकि, अधिकांश कंपनियां कुछ समय बाद बंद हो गईं और उनके प्रबंधन पर सवाल उठे। व्यापार मंदा होने के बाद रुइया वर्ष 2023 में साइबर ठगी के धंधे में उतर गए। उनके खिलाफ पहली शिकायत अप्रैल 2024 में दर्ज हुई। वरिष्ठ नागरिक स्वप्न कुमार मंडल सहित कई निवेशकों ने रुइया के झांसे में आकर करोड़ों रुपए निवेश किए, लेकिन उन्हें मुनाफा नहीं मिला और कई मामलों में अपनी राशि भी नहीं लौट सकी।

यूनिक समय की टीम को पड़ताल में जानकारी हुई कि रुइया ने मोबाइल पर फर्जी एपीके फाइल डाउनलोड कराना, फर्जी कंपनियों में निवेश और डिजिटल अरेस्ट के माध्यम से बड़ी राशि का हेरफेर किया। ठगी की रकम पवन रुइया, उनकी पत्नी सरिता, बेटा राघव और बेटियों पल्लवी व साक्षी तक पहुंचाई गई। इतना ही नहीं यूनिक समय की टीम ने मामले की तह तक पहुंचकर पता लगाया तो जानकारी हुई कि रुइया ग्रुप के कोलकाता मुख्यालय में सैकड़ों फर्जी कंपनियां पंजीकृत थीं, जिनमें से 168 कंपनियों का पता चला और इनमें से 147 कोलकाता के एक ही पते पर पंजीकृत थीं। पवन रुइया पहले टर्नअराउंड टायकून माने जाते थे, लेकिन अमीरी बनाए रखने की लालसा और शॉर्टकट में कारोबार बढ़ाने की कोशिश ने उन्हें साइबर अपराध की राह पर धकेल दिया। उनकी गिरती कंपनियों और ठगी की जांच अभी भी चल रही है। साइबर अपराध शाखा ने उनके बेटे, बेटी और करीबी सहयोगी राहुल वर्मा को भी आरोपी बनाया है। इस मामले ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बड़े उद्योगपति डिजिटल माध्यम से करोड़ों रुपए का हेरफेर कर ठगी कर रहे हैं। वहीं साइबर अपराध की जांच में भी लगातार तेजी लाई जा रही है।

छाता के संपूर्ण समाधान दिवस में आई 38 शिकायतें

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। छाता तहसील परिसर में नायब तहसीलदार शिवशंकर की अध्यक्षता में आयोजित 'संपूर्ण समाधान दिवस' में फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। समाधान दिवस में 38 शिकायतें दर्ज की गईं। वहीं नायब तहसीलदार ने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने लंबित मामलों को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के कड़े निर्देश दिए।

यह कैसी ईमानदारी: स्कूल वाले चालाक, किताबें और ड्रेस दुकानों से लो

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। स्कूल खुल गए। किताब और ड्रेस को लेकर अभिभावक पशोपेश में हैं। क्या करें, क्या न करें। बच्चों को तो पढ़ाना है। शिकायत करके उनका भविष्य खराब क्यों करें। नए शिक्षा सत्र के प्रारंभ होते ही स्कूल संचालकों ने मन पसंदीदा किताब और ड्रेस चयन दुकानें निर्धारित कर दी है। स्कूल की ईमानदारी बनी रही तो दुकानों का ठिकाना बता दिया जाता है कि फलां जगह से किताब, ड्रेस और जूते खरीद लो। अभिभावक जब दुकानों पर

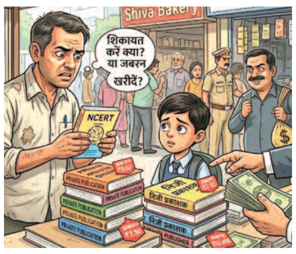

पहुंचते हैं तो वहां रेट सुनकर पैरों तले जमीन खिसक जाती है। आगरा में एक शिकायत के आधार पर डीएम ने किताबों का जबरन खरीदने के मामले में स्कूल पर पांच लाख रुपये का जुर्माना लगा दिया। इसके बाद स्कूल संचालक सतर्क हो गए।

उप्र माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री की दो टूक
अभिभावकों पर दबाव बनाने वालों के खिलाफ कार्रवाई हो

उधर, उत्तर प्रदेश की माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री गुलाब देवी ने निजी प्रकाशन की किताबें खरीदने के लिए अभिभावकों पर दबाव बनाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने शिक्षा विभाग के निदेशक को ऐसे मामलों में रिपोर्ट दर्ज कर दोषियों को जेल भेजने का अभियान चलाने पर जोर दिया है। अभिभावकों का आरोप है कि उन्हें एनसीईआरटी की किताबों के बजाय निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें खरीदने के लिए विवश किया जा रहा है। मंत्री गुलाब देवी ने कहा कि उनके पास अभी तक कोई औपचारिक शिकायत नहीं आई है, लेकिन यदि कहीं भी गड़बड़ी पाई जाती है तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार के निर्देश हैं कि स्कूलों में केवल एनसीईआरटी की किताबें ही बेची और पढ़ाई जाएं। जानकारों की मानें तो बाजार में एनसीईआरटी की नकली किताबें भी बाजार में आ गई है। एक शहर में छापा मारने के बाद नकली किताबों का खुलासा हुआ।

भोपाल में एनसीईआरटी की नकली किताब 64 रुपये के स्थान पर 350 रुपये में बिकती मिली।

तापमान / मौसम

32 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

20 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना
24 कैरट 1,49,510
22 कैरट 1,37,549
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी
2,32,960 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112 - आपातकालीन सेवा
1962 - रेलवे हेल्पलाइन
100 - पुलिस
108 - एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102 - एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101 - अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090 - महिला हेल्पलाइन
1091 - महिला पुलिस सहायता
1098 - चाइल्ड हेल्पलाइन
104 - स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033 - राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073 - सड़क दुर्घटना आपात सहायता

मेरठ की घटना के बाद मथुरा में सतर्कता

यूनिक समय, मथुरा। मेरठ में कल शराब पीने के बाद किराना कारोबारी समेत तीन की मौत होने के बाद मथुरा में सतर्कता बढ़ा दी गई है। तीनों लोगों ने मेरठ के सरकारी एक ठेके से देशी शराब खरीदी थी। वहीं पर तीनों साथ में पी रहे थे। तभी उन्हें उल्टी और पेट में दर्द होने लगा। इलाज के दौरान बारी-बारी से तीनों ने दम तोड़ दिया। घटना दौराला थाना क्षेत्र की है। मेरठ की घटना के बाद कई जिलों में सरकारी ठेकों की जांच शुरू हो गई है। कहीं ऐसा न हो मेरठ की तरह कोई घटना हो जाए।

योगी सरकार की आगरा को बड़ी सौगात
दुर्घटना में घायल को मिलेगा 1.5 लाख तक का 'मुफ्त' इलाज

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। योगी सरकार ने सड़क हादसों में होने वाली मृत्यु दर को कम करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम उठाया है। 'पीएम राहत योजना' के तहत अब सड़क हादसों में घायलों को 1.5 लाख तक का कैशलेस इलाज उपलब्ध कराया जाएगा। आगरा के लिए यह बड़ी राहत की खबर है कि इस महत्वपूर्ण योजना के लिए शहर के जीआर हॉस्पिटल को विशेष रूप से चयनित किया गया है।

इस योजना का सबसे महत्वपूर्ण पहलू 'गोल्डन ऑवर' (हादसे के बाद का पहला एक घंटा) है। अक्सर देखा जाता है कि पैसों के अभाव या पहचान

न होने के कारण इलाज में देरी होती है, जिससे घायल की जान चली जाती है। अब बिना किसी अग्रिम भुगतान या बीमा के तत्काल इलाज शुरू होगा।

चाहे मामला हिट-एंड-रन का हो या सामान्य दुर्घटना का पीड़ित को कैशलेस उपचार मिलेगा। गंभीर मामलों में 48 घंटे और सामान्य मामलों में 24 घंटे के भीतर 'क्विक स्टेबिलाइजेशन' सुनिश्चित किया जाएगा।

मददगार को 25 हजार रुपये का इनाम मिलेगा

योजना के अंतर्गत हादसे के शुरुआती सात दिनों तक का अस्पताल का पूरा खर्च सरकार वहन करेगी। इसका भुगतान 'मोटर व्हीकल एक्सीडेंट फंड' के माध्यम से सीधे अस्पताल को किया जाएगा।

इसके लिए परिजनों को भाग-दौड़ करने की जरूरत नहीं होगी। त्वरित सहायता के लिए 112 हेल्पलाइन को भी इस सेवा से जोड़ा गया है। अक्सर लोग कानूनी पचड़ों के डर से घायलों की मदद करने से कतराते हैं। सरकार ने इसे बदलने के लिए 'गुड सेमेरिटन' (मददगार) को प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया है। जो व्यक्ति घायल को अस्पताल पहुंचाएगा उसे सरकार की ओर से 25 हजार रुपये का नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण कुमार श्रीवास्तव का कहना है कि सरकार का उद्देश्य है कि धन के अभाव में किसी भी घायल का दम न टूटे। आगरा के जीआर हॉस्पिटल का चयन इस दिशा में एक बड़ा कदम है। पुलिस के माध्यम से डिजिटल पुष्टि होते ही भुगतान की प्रक्रिया शुरू हो जाती है।

समस्याओं का समाधान न होने से गुस्साए किसान पानी की टंकी पर चढ़े

गोवर्धन तहसील की टंकी पर चढ़ी युवती को नीचे से फोन पर समझाते, थाना प्रभारी गोवर्धन भगवत सिंह गुर्जर।

यूनिक समय, गोवर्धन। तहसील मुख्यालय में आज उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब अपनी मांगों को लेकर लंबे समय से संघर्ष कर रहे दर्जनों किसान अचानक पानी की टंकी पर चढ़ गए। किसानों का आरोप है कि शासन-प्रशासन उनकी जायज मांगों को लगातार अनसुना कर रहा है, जिससे तंग आकर उन्हें यह आत्मघाती कदम उठाना पड़ा। ग्रामीणों और किसान नेताओं ने बताया कि क्षेत्र में जल निकासी की गंभीर समस्या बनी हुई है, जिससे सैकड़ों एकड़ फसल बर्बाद हो रही है। किसान जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान, खेतों में भरे पानी की निकासी के लिए पुख्ता इंतजाम, कई गांवों में पानी की टंकियों के जर्जर होने की स्थिति में पीने के पानी के संकट दूर करने, प्राकृतिक आपदा से नष्ट हुई फसलों का उचित मुआवजा दिलाने की मांग की। किसानों के टंकी पर चढ़ने की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और तहसील प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। अधिकारियों ने किसानों को नीचे उतारने के लिए समझाने-बुझाने का प्रयास किया, लेकिन किसान मौके पर ही डीएम को बुलाने और लिखित आश्वासन की मांग पर अड़े रहे।

सिर्फ वादों में पांच साल बीते पर गांव की सूरत नहीं बदली

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। सरकारें भले ही हर गांव तक 'विकास की गंगा' बहाने के बड़े-बड़े दावे करती हों लेकिन धरातल पर हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। विकास खंड छाता के ग्राम पंचायत जलालपुर के मौजा नगला बंजारा में पिछले 5 वर्षों में विकास के नाम पर एक ईंट तक नहीं रखी गई है। चुनावी वादों की चमक फीकी पड़ते ही अब यहां के ग्रामीण बुनियादी सुविधाओं के लिए दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि बीते 5 सालों में गांव में न तो चलने के लिए पक्की सड़कें बनीं, न ही जलभराव से

छाता तहसील मुख्यालय में गांव नगला बंजारा के लोग।

मुक्ति के लिए नालियों का निर्माण हुआ न गांव के किसी लाभार्थी के पास शौचालय है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने अपनी समस्याओं को लेकर कई बार जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों के चक्कर लगाए, लेकिन हर बार उन्हें सिर्फ खोखले आश्वासनों के अलावा कुछ हासिल नहीं हुआ।

चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे करने वाले प्रधान और नेता जीतने के बाद गांव की तरफ मुड़कर भी नहीं देखते। स्थानीय निवासी सुघड़ सिंह आदि अधिकारियों के चक्कर काट कर थके।

आक्रोशित लोगों ने कहा- कागजों से निकलकर जमीन पर कब आएगा विकास

ग्रामीणों ने चेतावनी भरे लहजे में कहा है कि यदि जल्द ही गांव में विकास कार्य शुरू नहीं कराए गए और उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो वे उग्र आंदोलन करने और आने वाले चुनावों का पूर्ण बहिष्कार करने को बाध्य होंगे। अब देखना यह है कि कुंभकर्णी नींद में सोया प्रशासन कब जागता है और इस बदहाल गांव की सुध लेता है।

फायदेमंद

दोपहर की झपकी से दिमाग होता है रिचार्ज
30 मिनट की झपकी से बढ़ेगी कार्यक्षमता

यूनिक समय, नई दिल्ली। दोपहर के समय आने वाली नींद को अक्सर लोग आलस मान लेते हैं, लेकिन विज्ञान इसे दिमाग का "रीसेट बटन" मानता है। विशेषज्ञों के अनुसार, दिन में थोड़ी देर की झपकी न केवल दिमाग को फ्रेश करती है, बल्कि काम की गुणवत्ता और रचनात्मकता भी बढ़ाती है।

न्यूरोसाइंटिस्ट जोसेफ जेबेली अपनी किताब विश्राम में मस्तिष्क की शक्ति में बताते हैं कि काम के अत्यधिक दबाव से होने वाली बीमारियों के कारण दुनियाभर में हर साल लगभग 7.5 लाख लोगों की मौत होती है। वहीं, हर पांच में से तीन

कर्मचारी सही वर्क-लाइफ बैलेंस बनाए रखने में संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे में दिन में 20-30 मिनट का छोटा ब्रेक या झपकी लेना बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है।

रिसर्च के अनुसार, झपकी लेने से दिमाग की नई चीजें सीखने की क्षमता बढ़ती है। पूरे दिन के दौरान दिमाग में बनने वाले न्यूरल कनेक्शन एक समय के बाद "सैचुरेट" हो जाते हैं, जिससे नई जानकारी ग्रहण करने की क्षमता घटने लगती है। छोटी नींद अनावश्यक कनेक्शन को कमजोर करती है और जरूरी कनेक्शन को मजबूत बनाकर दिमाग को नई जानकारी के लिए तैयार करती है।

झपकी नहीं आलस, सेहत और दिमाग के लिए जरूरी ब्रेक

हालांकि, बार-बार नींद आना नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। लंच के बाद हल्की सुस्ती सामान्य है, क्योंकि पाचन के दौरान शरीर अधिक रक्त पेट और आंतों की ओर भेजता है, जिससे दिमाग को कम रक्त मिलता है। लेकिन यदि यह समस्या लगातार बनी रहे तो यह ब्लड शुगर के असंतुलन का संकेत हो सकता है। ऐसे में डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

टनकपुर-मथुरा-अछनेरा स्पेशल ट्रेन अब रोजाना चलेगी

यूनिक समय, मथुरा। उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के बीच रेल का सफर करने वाले यात्रियों के लिए रेलवे ने सौगात दी है। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए टनकपुर-मथुरा-अछनेरा रूट पर संचालित स्पेशल ट्रेन को अब रोजाना चलाने का निर्णय लिया गया है। इस मंजूरी के बाद अब यात्रियों को कंफर्म टिकट के लिए सप्ताह के विशेष दिनों का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। अब तक टनकपुर-मथुरा-अछनेरा स्पेशल ट्रेन (05061/05062) सप्ताह में केवल पांच दिन चलती थी, जिससे यात्रियों को टिकट के लिए परेशानी का सामना करना पड़ता था। सीमित फेरों के कारण अक्सर लंबी वेटिंग लिस्ट बन जाती थी। रेलवे के इस नए निर्णय के बाद अब यह ट्रेन सप्ताह के सातों दिन संचालित होगी। यह ट्रेन टनकपुर, पीलीभीत, बरेली, कासगंज होते हुए मथुरा और अछनेरा तक जाएगी, जिससे कई महत्वपूर्ण शहरों के बीच कनेक्टिविटी मजबूत होगी। यह जानकारी जनसंपर्क अधिकारी ने दी है। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन ने गाड़ी संख्या 55335/55336 कासगंज जंक्शन-मथुरा जंक्शन पैसेंजर का अस्थायी विस्तार गंगापुर सिटी तक कर दिया है। यह व्यवस्था 4 से 15 अप्रैल 2026 तक प्रभावी रहेगी। विस्तार के बाद गाड़ी अब मथुरा जंक्शन से आगे भरतपुर, बयाना, हिंडौन सिटी और श्री महावीर जी होते हुए गंगापुर सिटी तक संचालित होगी। वापसी में भी यही मार्ग रहेगा। इस निर्णय से क्षेत्र के यात्रियों को सीधी और अधिक सुविधाजनक यात्रा का लाभ मिलेगा।

फरह में शुक्रवार रात बादलों की गर्जना

तूफान ने उड़ाया बिजली का करंट, 18 विद्युत पोल टूटे

शनिवार दोपहर आसमान में छाए बादलों के बीच छिपा सूरज।

संवाददाता

धूल भरी आंधी और तेज बारिश से गेहूं की फसल को नुकसान

कई घंटे की मेहनत के बाद सुचारू हो सकी बिजली सप्लाई

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। शुक्रवार रात तूफान ने बिजली का करंट उड़ा दिया। तेज धूल भरी आंधी और जोरदार बारिश ने किसानों के होश उड़ा दिए। खेतों में कटी रखी गेहूं की फसल भीग गई, जबकि कई गांवों में पककर तैयार खड़ी गेहूं की फसल खेतों में गिर गई। रात करीब 8:30 बजे के बाद अचानक मौसम बदल गया। हल्की बयार धूल भरी आंधी में बदल गई तो देखते ही देखते आबादी के चारों ओर धूल के गुबार छा गए। इसी दौरान आसमान पर छाए काले बादल गर्जना के साथ तेज गति से बरसने लगे तो तूफान जैसा माहौल बन गया। बिजली गायब हो गई, तेज हवा की वजह से टीन शेड खड़खड़ाने लगे, जबकि पेड़ों की टहनियां टूट कर इधर–उधर जा गिरीं। वहीं, तेज वर्षा की वजह से खेतों में रखी गेहूं की फसल भीग गई, जबकि काफी किसानों का भूसा उड़ गया। तेज बयार की वजह से कई टीन शेड सेट इधर–उधर जाग गिरे। उधर, शनिवार की सुबह से शाम तक फिर मौसम बदला दिखाई दिया। कभी धूप, कभी बादल और कभी बयार किसानों को परेशान करने लगी। मौसम के ऐसे हाल को देखकर किसान सबसे ज्यादा परेशान नजर आए। तूफान की वजह से फरह क्षेत्र में बिजली सप्लाई बाधित हो गई। करीब 18 पोल टूट गए। इन पोल को सुबह से सही करने के लिए बिजली विभाग के कर्मचारी जुट गए, कई घंटे की मेहनत के बाद बिजली सप्लाई सुचारू हो सकी। अवर अभियंता मनमोहन ने बताया कि तेज आंधी की वजह से 18 बिजली के पोल टूट गए हैं, विभाग को करीब 1,50 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। ऐसे मौसम से बिजली सप्लाई भी कई घंटे बाधित रही।

दो दिन बाद फिर मौसम होगा खराब

यूनिक समय, मथुरा। मौसम विज्ञान विभाग ने जनपद से मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है। मौसम के पूर्वानुमान में पांच और छह अप्रैल को मौसम साफ रहने की संभावना रहेगी, जबकि सात और आठ अप्रैल को आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। एक या दो बार बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार ने बताया कि दो दिन बाद फिर मौसम खराब रह सकता है।

ऊर्जा मंत्री जी... मथुरा जिले में भी विद्युत लाइन नीचे लटक रही हैं

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। यूपी के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा जी... बलिया के पास महडौर में विद्युत लाइन के तारों को लटकते हुए आपने देख लिया और एक्शन ले भी लिया। कभी आपकी नजर मथुरा के कई इलाकों में लटकती विद्युत लाइनों पर पड़ जाए तो यहां के लोग भी आग की घटनाओं से बच जाएंगे। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा को बुधवार को लखनऊ से बलिया जाते समय ग्राम महड़ौर के पास सड़क किनारे बेहद खतरनाक स्थिति में बिजली के तार लटकते दिखाई दिए। उन्होंने गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने तत्काल पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक को फोन कर इसे बड़ी लापरवाही करार दिया और जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। मंत्री की इस फटकार का असर कुछ ही घंटों में देखने को मिला, जब विभागीय जांच के बाद लापरवाही के आरोप में अवर अभियंता (जेई) धर्मेंद्र पाल को निलंबित कर दिया गया, एसडीओ और अधिशासी अभियंता को चार्जशीट थमा दी गई है। ऊर्जा मंत्री की सख्ती के बाद महड़ौर क्षेत्र में रातभर विशेष अभियान चलाकर जर्जर और लटकते तारों को ठीक करने का कार्य किया। अधिकारियों ने स्वीकार किया कि गर्मी के मौसम में इस तरह की लापरवाही किसी बड़े हादसे का सबब बन सकती थी। ऊर्जा मंत्री के कड़े तेवरों से गाजीपुर विद्युत विभाग में हड़कंप मच गया है। मथुरा जिले के लोगों का कहना है कि यहां कई क्षेत्रों में विद्युत लाइन काफी नीचे लटक रही है। आने गर्मी के मौसम में इन लटकती लाइनों के कारण आग की बड़ी वारदात भी हो सकती है। समय इन लटकती लाइनों को दुरस्त करा लिया जाए तो बड़े हादसे होने से बच सकते हैं।

नववर्ष मेला पुरस्कार वितरण समारोह कल

यूनिक समय, मथुरा। नववर्ष मेला समिति के महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव ने बताया कि नवसंवत्सर 2083 की पूर्व संध्या पर आयोजित नववर्ष मेला की विभिन्न प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण समारोह कल रविवार को अपरान्ह तीन बजे सरस्वती शिशु मन्दिर दीनदयाल नगर में होगा। समारोह में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों की घोषणा कर पुरस्कार दिए जायेंगे। मीडिया प्रभारी मुकेश शर्मा ने बताया कि समारोह में प्रतिभागियों के कूपन का लकी ड्रॉ का परिणाम भी घोषित होगा।

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

परिवार के लोगों ने दहेज के लिए हत्या का लगाया आरोप

पति सहित आधा दर्जन के खिलाफ दी तहरीर

यूनिक समय मथुरा। थाना बल्दवे के गांव नगला बली में महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में महिला के परिवार की ओर से पति सहित आधा दर्जन लोगों के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज कराया गया है।

गांव बीसलपुर थाना कागारोल आगरा निवासी होती लाल ने अपनी पुत्री प्रीति की शादी गांव नगला बली निवासी देवेंद्र के साथ 30 नवंबर 2020 को की थी। प्रीति की कल संदिग्धावस्था में किसी विषाक्त पर्दाथ के सेवन के चलते मौत हो गई। परिवार के लोगों को भी इस बारे में सूचना दी गई। होती लाल का कहना है कि कल उसे फोन पर प्रीति ने बताया था कि उसे ससुराल प्रातिड़त किया जा रहा है ससुराल वाले उसे मार देंगे। परिवार के लोगों ने जब यहां अकार देखा तो प्रीति की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने मौत का सही कराण जानने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। बताया गया कि इस मामले में परिवार के लोगों ने थाना बल्देव में प्रीति की दहेज की मांग को लेकर हत्या किए जाने के आरोप में पति सहित आधा दर्ज लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरु कर दी है।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक–पवन गौतम

फोन नंबर–0565–2420150,

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

गेहूं के दाने की चमक पड़ सकती है फीकी

पूर्व में और अब हुई वर्षा बन सकती है वजह

उत्पादन हो सकता है प्रभावित

दो दिन बाद फिर पश्चिम विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना, किसान बरतें सावधानी

शनिवार सुबह आसमान में छाए बादलों के बीच गेहूं फसल काटते मजबूर।

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। मौसम में बदलाव गेहूं फसल पर भारी पड़ सकता है। पूर्व में कई बार और अब बीती रात शुक्रवार को सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के चलते हुई जोरदार वर्षा से गेहूं के उत्पादन पर असर पड़ सकता है। कृषि वैज्ञानिक बे मौसम वर्षा की वजह से गेहूं के दानों की चमक फीकी पड़ने की संभावना जता रहे हैं। वहीं, खराब मौसम की वजह से किसानों ने गेहूं कुटाई का काम रोक दिया है। मार्च के बाद अब अप्रैल में खराब हो रहे मौसम से गेहूं के दानों की चमक के फीकी पड़ने की संभावना जताई जा रही है। वहीं, बारिश से एक दिन कटाई व मंडाई का काम बाधित हो गया। शुक्रवार देर रात बादलों की गर्जन, तेज हवा के झोंकों के साथ हल्की बारिश हुई। अचानक बदले मौसम ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। कई स्थानों पर आंशिक रूप से गेहूं तैयार फसल खेतों में ही गिर गई। गांव बिसू निवासी किसान बृजेश सिंह का कहना है कि खेतों में फसल कटाई के लिए तैयार थी, लेकिन तेज हवा और बारिश से फसल गिरने से उत्पादन और गुणवत्ता दोनों पर असर पड़ सकता है। वहीं, खासतौर पर गेहूं के दानों की चमक फीकी पड़ने की संभावना है। इससे बाजार में उचित मूल्य मिलने में दिक्कत हो सकती है। ऐसे में देर शाम तक किसान गेहूं आदि की कटाई में जुट गए। वहीं, मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ का असर अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है और अगले कुछ समय तक मौसम में उतार–चढ़ाव बना रह सकता है। ऐसे में किसान लगातार आसमान की ओर टकटकी लगाए हुए हैं। यदि मौसम फिर बिगड़ा तो नुकसान और बढ़ सकता है।

TEST	MARKET RATE	OUR RATE
ECHO	2500	1000
TMT	1500	500
Holter	2000	1500
Angiography	10000	7000
Angioplasty	140000	90000 (Stent charge Extra)
Pacemaker (TPI)	15000	9000

ट्रैफिक पुलिस को वाहन लॉकिंग अभियान फिर से चलाना होगा

शहर की सड़कों पर बनने लगा है वाहन पार्किंग स्थल

यूनिक समय, मथुरा। ट्रैफिक पुलिस की ढील के चलते शहर की सड़कों पर वाहन चलाने वालों ने फिर से वहानों को पार्क करना शुरू कर दिया है। इसकी वजह है पुलिस टीम द्वारा इस तरह के दोपहिया, तिपहिया और चौपहिया वाहनों में लॉक लगा कर जुर्माना वसूलना बंद कर दिया है।

शहर की सड़कों पर फिर से जाम लगने के हालात पैदा हो रहे हैं। सड़क पर नो पार्किंग जोन होने के बाद भी वाहन चलाने वाले अपने वाहनों को बे तरतीब से पार्क कर रहे हैं जिसके चलते सड़क से गुजरने वाले वाहनों की ऐसे स्थानों पर लाइन लग रही है। ट्रैफिक पुलिस द्वारा पूर्व में नो पार्किंग जोन में खड़े मिलने वाले वाहनों के पहियों को लॉक कर दिया जाता था। वाहन स्वामी के आने पर उसे जब गलत तरीके से वाहन को पार्क करने का पता लगता तो उसे अपनी गलती का अहसास हुआ। इसके साथ ही उसे इसके लिए आर्थिक दंड भी देना पड़ता था। आर्थदंड अदा न लगाने पर ट्रैफिक पुलिस वाहन को क्रेन से खींच ले जाती थी। वाहन मालिक को इसके अलावा भुगतान करना पड़ता था। ट्रैफिक पुलिस द्वारा चलाए जाने वाले इस अभियान से होली गेट, कोतवाली रोड आर्यसमाज, भरतपुर गेट सहित शहर की अन्य सड़कों पर

गोवर्धन चौराहे पर सड़क पर सफेद पट्टी के बाहर खड़े वाहन जो बनते हैं जाम की बड़ी वजह।

सड़कों पर खड़े वाहन बन रहे हैं जाम का बड़ा कारण

जाम नजर नहीं आता था। यही नहीं कृष्णानगर और गोवर्धन चौराहा रोड पर तो ट्रैफिक पुलिस के डर के कारण लोग वाहनों को सफेद पट्टी से नीचे ही खड़ा करते थे। वाहन लॉकिंग अभियान के बंद होने के बाद फिर से सड़कों पर वाहन चलाने वालों ने पर्किंग स्थल बनाना शुरू कर दिया है। स्थानीय लोगों ने एसपी ट्रैफिक मनोज कुमार यादव से शहर में फिर से लगने वाले जाम के झाम से निपटने के लिए ट्रैफिक पुलिस की टीम को वाहन लॉकिंग अभियान को चलाने की मांग की है।

फरह पुलिस ने लूट का माल खरीदने वाला किया गिरफ्तार

पुलिस ने हाईवे पर महिलाओं से लूटे तीन कुंडल किए बरामद

यूनिक समय, मथुरा। फरह पुलिस ने हाईवे पर नीले रंग की अपाचे बाइक से महिलाओं से हाईवे पर कुंडल छीनने की घटना को अंजाम देने वाले शातिरों द्वारा लूटे गए कुंडलों को कम कीमत पर खरीदने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से तीन कुंडल बरामद किए हैं।

नीले रंग की अपाचे बाइक से हाईवे पर लगातार रहगीर महिलाओं के कानों से छपट्टा मारकर कुडल छीन ने वाले गैंग के तीन शातिरों को फरह पुलिस ने गिरफ्तार कर पहले ही जेल भेज दिया। गिरफ्तार शातिर अभियुक्त रामजीत निवासी गांव पिपरोठ से पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में पुलिस को पता लगा कि रामजीत लूट के कुंडलों को गांव अहेरा थाना जैंत निवासी कप्तान को बिक्री करता था। इस जानकारी पर फरह पुलिस ने कप्तान को गिरफ्तार करने के लिए प्रयास किए, लेकिन वह

फरह पुलिस की गिरफ्त में लूट का माल खरीदने वाला अभियुक्त।

पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ा। प्रभारी निरीक्षक छोटे लाल ने बताया कि अभियुक्त कप्तान के बारे में एक खास सूचना मिली कि वह फतिहा रेलवे पुल के समीप अगरा–मथुरा हाईवे 19 पर है। प्रभारी निरीक्षक ने उप निरीक्षक चौकी प्रभारी कस्बा अजय सिंह मलिक, चौकी प्रभारी रैपुराजाट तेजेंद्र सिंह और टोल प्लाजा चौकी प्रभारी अभिलाख सिंह और फोर्स के साथ छापेमारी कर कप्तान को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को तलाशी के दौरान उसके पास से तीन कुंडल मिले। कप्तान ने पुलिस को बताया कि रामजीत द्वारा उसे ये कुंडल सस्तेदामों पर बिक्री किए गए थे। पुलिस ने अभियुक्त को चोरी का माल खरीदने के आरोप में गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया।

जयपुर के युवक की यमुना में डूबकर हुई मौत

यूनिक समय मथुरा। जयपुर राजस्थान से दोस्तों के साथ वृंदावन दर्शन करने के लिए आए एक युवक की स्नान करने के दौरान यमुना में डूबकर मौत हो गई। पुलिस ने आज युवक के शव को पानी गांव के पुल के समीप से बरामद किया है।

बताया गया कि जयपुर का रहने वाले युवक विजय लालवानी पुत्र किशन कुमार लालवानी दो अप्रैल को अपने दो अन्य दोस्तों के साथ वृंदावन दर्शन करने के लिए आया था। बताया गया कि वृंदावन में दर्शन आदि करने के बाद तीनों दोस्त यमुना में स्नान करने लगे। इसी बीच विजय लालवानी यमुना के गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसे डूबता देख दोस्तों ने शोर किया। घाट पर मौजूद गोताखोर जब तक उसे बचाते उस समय तक वह यमुना के पानी में डूब गया। युवक के डूबने का पता लगने पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच

दो अन्य दोस्तों के साथ वृंदावन आया था

आज पानी गांव के यमुना पुल के समीप मिला शव

गई। यमुना में डूबे युवक की कल काफी तलाश की गई ,लेकिन उसका कुछ पता नहीं लगा। आज प्रातः उसका शव यमुना के पानी घाट स्थित पुल के समीप मिला। पुलिस ने शव को बरामद करने के बाद पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। विजय लालवानी की मौत का पता लगने पर परिवार में कोहराम मच गया। परिवार के लोगों के साथ काफी संख्या में लोग युवक का शव लेने के लिए मथुरा की मोरचरी पहुंच गए।

तंबाकू और लापरवाही बन रही जानलेवा

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। मथुरा में भी कैंसर तेजी से फैल रहा है। सबसे अधिक मुंह के कैंसर (ओरल कैंसर) के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, जो एक गंभीर जनस्वास्थ्य चुनौती बनते जा रहे हैं। यह बीमारी न केवल जीवन के लिए खतरनाक है, बल्कि देर से पहचान होने के कारण हर साल बड़ी संख्या में लोगों की जान भी ले लेती है।

मुंह के कैंसर के बढ़ते मामलों के पीछे कई महत्वपूर्ण कारण हैं। इनमें से सबसे अधिक तंबाकू और गुटखा का सेवन है। धूम्रपान (सिगरेट, बीड़ी) और बिना धुएं वाले तंबाकू (गुटखा, पान मसाला, खैनी) का व्यापक उपयोग होता है। यह मुंह के कैंसर का सबसे बड़ा और प्रमुख कारण है।

शराब और तंबाकू का एक साथ सेवन करने से कैंसर का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। दांतों और मसूड़ों की अनदेखी से संक्रमण और लंबे समय तक रहने वाले घाव उत्पन्न होते हैं, जो आगे चलकर कैंसर का रूप ले सकते हैं। सबसे बड़ी बात तो यह है कि विटामिन ए, सी और आयरन की कमी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर करती है और कैंसर का खतरा बढ़ाती है। कुछ मामलों में ह्यूमन पैपिलोमा वायरस भी मुंह के कैंसर का कारण बनता है।

आगरा स्थित पुरुषोत्तमदास सावित्रीदेवी कैंसर केयर एंड रिसर्च सेंटर के डायरेक्टर और वरिष्ठ कैंसर सर्जन डॉ. संदीप अग्रवाल का कहना है कि यदि समय पर जांच और सही इलाज हो तो अधिकांश मरीजों को बचाया जा सकता है। उनका कहना है कि मुंह का कैंसर शुरुआती चरण में अक्सर बिना दर्द के होता है, जिससे लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन यदि इसे प्रारंभिक अवस्था में पहचान लिया जाए तो इलाज की सफलता दर 80–90 प्रतिशत तक हो सकती है। इसलिए समय पर जांच बेहद जरूरी है।

तेजी से बढ़ रहा मुंह का कैंसर

नियमित स्क्रीनिंग

तंबाकू या शराब का सेवन करने वाले लोगों को हर छह महीने में मुंह की जांच अवश्य करानी चाहिए।

प्रारंभिक बायोप्सी और जांच

किसी भी संदिग्ध घाव की तुरंत जांच कराना जरूरी है, ताकि बीमारी का समय रहते पता चल सके।

आधुनिक उपचार विधियां

आज सर्जरी, रेडियोथेरेपी और कीमोथेरेपी के माध्यम से मुंह के कैंसर का प्रभावी इलाज संभव है–खासतौर पर शुरुआती चरण में।

लक्षण

मुंह में लंबे समय तक न भरने वाला घाव या छाला
मुंह के अंदर सफेद या लाल धब्बे
मुंह खोलने या निगलने में परेशानी
लगातार दर्द, जलन या सूजन
आवाज में बदलाव या भारीपन

बचाव ही सबसे प्रभावी उपाय

तंबाकू और गुटखा का सेवन पूरी तरह बंद करें
शराब का सेवन सीमित रखें
नियमित रूप से दांतों और मुंह की सफाई करें
संतुलित और पौष्टिक आहार लें
समय–समय पर स्वास्थ्य जांच कराएं

पीड़ित किसानों को शीघ्र मुआवजे दे प्रदेश सरकार : कुंवर नरेंद्र सिंह

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में लगातार हो रही ओलावृष्टि और अतिवृष्टि ने किसानों की कमर तोड़ दी है। दलहन, तिलहन, खरीफ के बाद अब रबी की फसल भी प्राकृतिक आपदा की चपेट में आकर बर्बाद हो गई है। बीती रात हुई तेज ओलावृष्टि और वज्रपात ने किसानों के लिए हालात और भी गंभीर बना दिए हैं। वहीं रालोद नेता कुंवर नरेंद्र सिंह ने ओलावृष्टि और अतिवृष्टि पर कहा कि वह हर परिस्थिति में किसानों के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि इस कुदरत की मार से किसान की फसल चौपट हो गई है, जिसकी भरपाई प्रदेश सरकार को करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं को लेकर वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बात करेंगे। उन्होंने कहा कि गेहूं, जो आमजन की उदरपूर्ति का मुख्य आधार है, उसके नष्ट होने से किसानों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। कई गांवों का निरीक्षण करने पर सामने आया कि पूरे जनपद में ओले गिरे हैं, लेकिन छाता और नौहझील (मांट) क्षेत्र में सबसे अधिक नुकसान हुआ है। वहीं गोवर्धन

ओलावृष्टि और अतिवृष्टि से फसल को बड़ा नुकसान

और बल्देव क्षेत्र के गांवों में अतिवृष्टि के कारण फसलें चौपट हो गई हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जिला अधिकारी, उपजिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी सहित कृषि विभाग और ब्लॉक स्तर के अधिकारी मौके पर पहुंचकर भौतिक सत्यापन करें और नुकसान का सही आकलन करें। साथ ही उन्होंने एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेजने और किसानों को शीघ्र आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग की है, ताकि प्रभावित किसानों को राहत मिल सके।

सड़क पर गिरे बिजली के खंभे से टकराई बाइक

यूनिक समय, सुरीर। नौहझील–राया मार्ग पर शनिवार को हुए एक दर्दनाक हादसे में बाइक सवार की जान चली गई। परसोतीगढ़ी गांव के समीप सड़क पर गिरे बिजली के खंभे से बाइक सवार टकरा करा गया था। घायल की उपचार के दौरान मौत हो गई।

सुरीर निवासी पंकज (42) किसी कार्य से मांट गए थे। देर शाम वह बाइक से वापस अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही वह गांव परसोतीगढ़ी के पास पहुंचे, पूर्व में आई तेज आंधी और बारिश के कारण सड़क पर गिर पड़े विद्युत पोल से उनकी बाइक टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

गंभीर रूप से घायल की इलाज के दौरान हुई मौत

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। एसआई मुकेश कुमार ने तत्परता दिखाते हुए घायल को तारों के नीचे से निकालकर तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए मथुरा भेज दिया है। घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है और उनका रो–रोकर बुरा हाल है।

कारोबारियों और आम जनता के लिए राहत : चिराग अग्रवाल

यूनिक समय, मथुरा। केंद्र सरकार ने जन विश्वास प्रावधान संशोधन बिल 2026 के माध्यम से आम जनता और कारोबारी वर्ग को बड़ी राहत दी है। द ट्रेडर्स एसोसियेशन के संयोजक चिराग अग्रवाल ने बिल का स्वागत करते हुए कहा कि यह कदम लंबे समय से चले आ रहे दंडात्मक और कठोर प्रावधानों में सुधार है। संशोधन के तहत 1000 से अधिक प्रावधानों में सजा, आर्थिक दंड और चेतावनी की व्यवस्था लागू की गई है, जबकि 79 प्रावधानों में नागरिकों पर विश्वास करने की प्रक्रिया शामिल की गई है। इससे आमजन का मनोबल बढ़ेगा और विभिन्न क्षेत्रों में विकास की गति तेज होगी।

लोक संस्कृति और रंगारंग प्रस्तुतियों से सजा जीएलए का 'स्पंदन'

जीएलए विश्वविद्यालय के स्पंदन कार्यक्रम के शुभारंभ के दौरान अल्यूमिनाई से रूबरू होतीं मुख्य अतिथि सिओ सिटी आसना चौधरी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सिओ सिटी आसना चौधरी को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता।

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय मथुरा में दो दिवसीय 'स्पंदन' (वार्षिकोत्सव) कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सीओ सिटी मथुरा आसना चौधरी, विशिष्ट अतिथि अल्यूमिनाई माइक्रोसॉफ्ट के प्रिंसिपल इंजीनियरिंग मैनेजर बांके शर्मा, असेंचर इंडिया के मैनेजमेंट कंसल्टेंट प्रिंसिपल यूटिलिटी पावर विजय सागर, कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता, कुलसचिव अशोक कुमार सिंह तथा डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. हिमांशु शर्मा द्वारा मां सरस्वती एवं श्रीगणेशीलाल अग्रवाल के चित्रपट के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

मुख्य अतिथि सीओ सिटी आसना चौधरी ने कार्यक्रम की शुरुआत में कहा कि मथुरा में एक आईपीएस अधिकारी के रूप में कार्य करते हुए मैं प्रतिदिन वास्तविक जीवन को देखती हूँ और मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकती हूँ कि जीवन आपकी परीक्षा लेगा, लेकिन आपको आगे बढ़ाने वाली चीज केवल ज्ञान नहीं होगी, बल्कि आपका धैर्य, आपका चरित्र और फिर से खड़े होने की आपकी क्षमता होगी।

इसलिए जब आप 'स्पंदन' का आनंद लें तो इन पलों को पूरी तरह जिएं। पूरे मन से भाग लें, अपने मित्रों के लिए जोरदार उत्साह बढ़ाएं, एक-दूसरे का समर्थन करें। क्योंकि आने वाले वर्षों में जब जीवन गंभीर हो जाएगा, यही यादें आपको अचानक मुस्कुराने पर मजबूर कर देंगी। जब मुझे 'स्पंदन' में आमंत्रित किया गया तो सबसे पहले मुझे अपने कॉलेज के दिन याद आए। मैंने 2019 में स्नातक पूरा किया और 2023 में मास्टर डिग्री के साथ-साथ यूपीएससी में चयन भी हुआ। साथ ही, उन्होंने कहा कि उत्सव और अनुशासन साथ-साथ चलने चाहिए। कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने कहा कि यह स्पंदन जीएलए का वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव है। जब अपने अल्यूमिनाई को विश्वविद्यालय में इतने गरिमामय और सुसज्जित रूप में देखता हूं तो यह हम सभी के लिए अत्यंत भावुक क्षण होता है। इससे यह महसूस होता है कि उन्होंने यहां से कुछ विशेष और महत्वपूर्ण सीखा है। आज यही अल्यूमिनाई निश्चित रूप से हमारे वर्तमान विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने और ऊंचाइयों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेंगे।

विशिष्ट अतिथि अल्यूमिनाई माइक्रोसॉफ्ट के प्रिंसिपल इंजीनियरिंग मैनेजर बांके शर्मा तथा असेंचर इंडिया के मैनेजमेंट कंसल्टेंट प्रिंसिपल यूटिलिटी पावर विजय सागर ने कहा कि अगर जीएलए की मजबूत नींव और यहां के शिक्षकों का मार्गदर्शन न होता तो आज जो कुछ भी हमने हासिल किया है, वह संभव नहीं हो पाता। इस संस्थान ने हमें सिर्फ पढ़ाई ही नहीं सिखाई बल्कि यह भी सिखाया कि हमें उन चीजों को कैसे सीखना है जो हम अभी नहीं जानते।

प्रथम दिवस पर विश्वविद्यालय परिसर में लोक संस्कृति, सांस्कृतिक विविधता और रंगारंग प्रस्तुतियों की शानदार झलक देखने को मिली। दिनभर में 18 से अधिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। 'कलर्स ऑफ इंडिया' के अंतर्गत 'सप्तरंग उत्सव' में देश की विविध संस्कृतियों का अद्भुत संगम दिखाई दिया। 'स्वरनिर्माया' में मधुर सुरों की प्रस्तुति, काव्य संध्या में भावपूर्ण अभिव्यक्ति तथा फैशन शो में पारंपरिक और आधुनिक परिधानों का आकर्षक समन्वय देखने को मिला।

इसके अतिरिक्त 'अपसाइकिल उत्सव', 'बौद्धिक प्रतियोगिता', 'जागो युवा श्लोक पाठ', 'संस्कृति संगम शिल्प मेला', 'सौंदर्य सज्जा कला', 'छायांकन प्रतियोगिता', 'दृश्य सृजन' तथा 'कला प्रतियोगिता' जैसे कार्यक्रमों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा और रचनात्मकता को मंच प्रदान किया। देर शाम गायिका आशीष कौर की मनमोहक प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को संगीतमय बना दिया। विशेष रूप से, इस अवसर पर 39 से अधिक पूर्व छात्रों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिससे कार्यक्रम और भी प्रेरणादायक एवं यादगार बन गया।

डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. हिमांशु शर्मा ने सभी अल्यूमिनाई और अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि स्टूडेंट वेलफेयर टीम के सहयोग से जीएलए में यह भव्य वार्षिकोत्सव आयोजित किया जा रहा है जो विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का सशक्त मंच प्रदान करता है।

रविवार को होंगे विविध आयोजन

वार्षिकोत्सव के दूसरे दिन रविवार को 'रंगरेज', 'ईको एंगेज चैलेंज', 'ड्रामाथॉन', 'नृत्यांजलि' (बैटल ऑफ डांस), काव्य संध्या, 'छायांकन प्रतियोगिता' एवं 'दृश्य सृजन' जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही सेलिब्रिटी नाइट में प्रसिद्ध गायक सलीम सुलेमान की प्रस्तुति मुख्य आकर्षण रहेगी।

भगवान श्रीकृष्ण एवं माँ रुक्मिणी विवाहोत्सव रहा षष्ठ दिवस

केशवधाम में चल रही श्रीभद्भागवत कथा में व्यास पीठ की पूजा करते डीएम सीपी सिंह एवं एसएसपी श्लोक कुमार।

यूनिक समय, वृंदावन। केशवधाम परिसर में भागवताचार्य कृष्णचंद्र शास्त्री ठाकुर जी के सान्निध्य में केशव धाम द्वारा संचालित सेवा प्रकल्पों के सहायतार्थ केशव धाम में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा का षष्ठ दिवस आनंद एवं उत्साह पूर्वक संपन्न हुआ।

महारास लीला, प्रभु का मथुरा गमन, उद्धव – गोपी संवाद एवं भगवान श्री कृष्ण माँ रुक्मिणी मंगल विवाह उत्सव आज छठवें दिवस की कथा के मुख्य प्रसंग रहे। कथा क्रम में महाराज श्री ने बताया कि कर्म करने वाले के ऊपर ही प्रभु की कृपा भी होती है। जो कर्म करता है उसकी जय भी अवश्य होती है। यहां कर्मशील व्यक्ति ही जीवन में सब कुछ पाता है। कर्मशीलता की पराकाष्ठा हमें भगवान श्रीकृष्ण के जीवन में देखने को मिलती है। कभी नंगे पैर गौमाताओं के पीछे चलने वाले गोपाल एक दिन सोने के जूतियां पहनने वाले द्वारिकाधीश बन गये। अनासक्ति का सबसे बड़ा उदाहरण अगर किसी के जीवन में देखने को मिलता है तो वो भगवान श्रीकृष्ण के जीवन में ही मिलता है। आशीर्वचन अनंतवीर महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी कृष्णानंद सरस्वती जी महाराज का रहा। इस अवसर पर जिलाधिकारी सीपी सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार, प्रमोद गोयल, रामकिशन अग्रवाल, ललित कुमार, सतीश अग्रवाल, स्वामी सत्यमित्रानन्द, राजा भोज, अमरनाथ गोस्वामी, हरिवंश खंडेलवाल, संजय जादौन, योगेंद्र कुमार, संदीप चतुर्वेदी, आचार्य रविन्द्र उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल

मंत्री चौ. लक्ष्मीनारायण पहुंचे प्रभावित गांवों में

निरीक्षण के दौरान एक गांव में किसानों का दर्द सुनते यूपी के गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री चौ. लक्ष्मीनारायण।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। यूपी के गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री चौ. लक्ष्मीनारायण ने जिले के कई गांवों का दौरा किया। उन्होंने हाल ही में हुई बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से प्रभावित रबी की फसलों, विशेषकर गेहूं के नुकसान का जायजा लिया।

उन्होंने बुखरारी, बरका, सुजावली, नगला उटावड़, शाहपुर धानौता, रूपनगर, फूलगढी, शेरनगर, ऐंच, एलवाडा और चौडरस आदि गांवों का निरीक्षण किया। इन क्षेत्रों में कटाई के करीब पहुंची गेहूं और अन्य रबी की फसलें सर्वाधिक प्रभावित हुई हैं।

मंत्री के साथ एसडीएम, तहसीलदार, बीमा कंपनी के अधिकारी और लेखपाल भी मौजूद थे। उनके प्रतिनिधि नरदेव चौधरी, बोबी बौहरे, कन्हैया बौहरे, भोला बोहरे, राजेन्द्र मुकदम, टिक्कू प्रधान, सतीश लंबे, गजेन्द्र मुकदम, देवीचरण मुकदम, फैली प्रधान खरोट, देवेन्द्र नेता, नरवीर नेता और ओमी पहलवान बरका, दुर्गपाल वैध भी थे।

बारिश और ओलावृष्टि से बर्बाद फसल देखी

तहसील के अधिकारियों को सर्वे कराने के दिए निर्देश

मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण ने राजस्व विभाग (एसडीएम, तहसीलदार) और बीमा कंपनियों को तत्काल संयुक्त सर्वे कर नुकसान की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि सरकार इस संकट की घड़ी में उनके साथ है और पात्र किसानों को जल्द से जल्द मुआवजा वितरित किया जाएगा। मंत्री ने बीमा कंपनी के अधिकारियों को दावों के निपटान में देरी न करने और किसानों को उनकी फसलों के नुकसान की वास्तविक क्षतिपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कहा। किसान ओमी मुकदम ने बताया कि मंत्री और आलाधिकारियों ने जल्द सर्वे कराकर उचित मुआवजा देने का आश्चासन दिया है।

किसानों को मुआवजा देने की मांग

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस पर मुख्यमंत्री के नाम नायब तहसीलदार को ज्ञापन दिया गया, इसमें बेमौसम बरसात व ओलावृष्टि से किसानों के हुए नुकसान को देखते हुए किसानों को प्रति एकड़ लगभग 50 हजार रुपये व कोसीकलां अनाज मंडी में सरकारी खरीद व अनाज मंडी में अतिरिक्त टीन शेड का निर्माण कराने की मांग की।

अभिभावकों को दी शैक्षिक गतिविधियों की जानकारी, गूगल गुरु की हुई प्रशंसा

राजीव इंटरनेशनल स्कूल में खिले नौनिहालों के चेहरे

ओरिएंटेशन डे पर अतिथियों के साथ नवप्रवेशी छात्र-छात्राएं।

यूनिक समय, मथुरा। राजीव इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को किंडरगार्डन के नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों का टीचर्स के साथ संवाद स्थापित करने के लिए ओरिएंटेशन डे का आयोजन किया गया। ओरिएंटेशन डे का शुभारम्भ मुख्य अतिथि जिला भाजपा उपाध्यक्ष विवेक चौधरी, मास्टर गुरु उपाध्याय एवं प्राचार्या प्रिया मदान ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद नन्हे-मुन्ने बच्चों ने नयनाभिराम कार्यक्रमों के माध्यम से अभिभावकों का मनोरंजन किया। स्कूल की प्राचार्या प्रिया मदान ने अभिभावकों का स्वागत करने के बाद उन्हें आठ साल के मास्टर गुरु उपाध्याय के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मास्टर गुरु उपाध्याय अपनी अद्भुत प्रतिभा के दम पर इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड, ग्लोबल रिकॉर्ड व एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करा चुके हैं। मास्टर गुरु इंजीनियरिंग तथा यूपीएससी के विद्यार्थियों को ऑनलाइन ट्रेनिंग देते हैं। इन्हें गूगल गुरु के नाम से जाना जाता है। इस होनहार को बचपन से ही बच्चों को पढ़ाने का शौक है। गुरु पांच वर्ष की आयु से 14 विषय पढ़ाने वाले सबसे कम आयु के लेक्चरर बन गए हैं। इस अवसर पर अभिभावकों को स्कूल की समस्त जानकारी पीपीटी के माध्यम से दी गई। प्राचार्या प्रिया मदान ने अभिभावकों को बताया कि नन्हे-मुन्ने छात्र-छात्राओं के लिए इस वर्ष हमने दो नई पॉलिसी बनाई हैं। सप्ताह में एक दिन शनिवार को बच्चों के लिए बैगलेस डे होगा जिसके अंतर्गत बच्चे बिना किताबों के खेल-खेल के माध्यम से आउटडोर एक्टिविटीज सीखेंगे। दूसरी पॉलिसी के अंतर्गत बच्चों की कॉपी और किताबें स्कूल में ही जमा रहेंगी तथा सप्ताह में केवल दो दिन ही घर ले जाने की अनुमति होगी। बच्चों के बस्ते का बोझ कम करने की विद्यालय की इस पहल को अभिभावकों ने मुक्तकंठ से सराहा।

ओरिएंटेशन डे पर अभिभावकों के लिए भी विभिन्न प्रकार के गेम्स और एक्टिविटी का आयोजन किया गया तथा विजेता अभिभावकों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्कूल के यूकेजी के नन्हे-मुन्ने छात्र-छात्राओं ने अपने पिछले वर्ष के अनुभव साझा किए वहीं शिक्षकों ने अभिभावकों के विभिन्न प्रश्नों का समाधान कर उनकी जिज्ञासा को शांत किया। स्कूल के चेयरमैन मनोज अग्रवाल ने अपने संदेश में कहा कि जीवन की नींव शिक्षा पर आधारित होती है। हम जितनी ईमानदारी से शिक्षा ग्रहण करेंगे और उसके मूल्यों को अपने जीवन में उतारेंगे, भविष्य में उतने ही सफल इंसान के रूप में पहचाने जाएंगे।

लगातार एसी की हवा में बैठने से हो सकता है भारी नुकसान

सुकून की हवा या बीमारी की दवा

यूनिक समय, मथुरा। गर्मी से राहत पाने के लिए एसी की ठंडी हवाओं में बैठे रहना सबको पसंद आता है। पूरे दिन एयर कंडीशनर की हवा में पूरे दिन बैठने से सेहत पर बुरा असर पड़ता है। एक्सपर्ट से जान लेते हैं कि एसी की हवा में बैठने से सेहत पर क्या असर पड़ता है।

एयर कंडीशनर आधुनिक जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा बन चुका है, जो अत्यधिक तापमान से घरों, ऑफिस और वाहनों में आराम प्रदान करता है। गर्मियों में एसी बैठे रहने से बॉडी को ठंडक तो मिलती है लेकिन इसके नुकसान भी होते हैं।

एसी की हवा स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती है। एसी में पूरे दिन बैठने से श्वसन संबंधी समस्याओं से लेकर त्वचा की जलन तक कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

आइए आपको बताते हैं दिनभर एसी की हवा में बैठना भी हमारी सेहत के लिए ठीक नहीं है? इससे सेहत पर बुरा असर पड़ता है।

स्किन ड्राई और डिहाइड्रेशन हो जाती है : अगर आप पूरे दिन एसी में बैठें रहते हैं तो स्किन और म्यूकस मेम्ब्रेन ड्राई हो जाते हैं। इस कारण त्वचा में जलन, खुजली और आंखों में ड्राईनेस हो सकती है। इसके साथ ही आपकी त्वचा भी रूखी हो जाती है, जिससे त्वचा पपड़ीदार हो सकती है। अगर आप हाइड्रेटडेड नहीं रहते हैं तो आपकी बॉडी डिहाइड्रेट हो जाती है।

सांस से जुड़ी समस्याएं होती हैं : पूरा दिन एसी में बैठे रहने से सांस से जुड़ी समस्याओं की वजह भी बन सकती है। इस कारण अस्थमा या साइनस का खतरा बढ़ जाता है। यदि एसी की साफ–सफाई न की जाए, तो इससे उसमें बैक्टीरिया जमने लगते हैं। एसी की हवा में बैठने से आपको इंफेक्शन या एलर्जीक रिएक्शन का खतरा बढ़ सकता है।

जोड़ों और मसल्स में दर्द होना : अगर आप ऑफिस में पूरे दिन एसी में बैठे रहते हैं, तो आपकी मांसपेशियां सिकुड़ सकती हैं, जिससे गर्दन और पीठ की मांसपेशियों में अकड़न हो सकती है। गलत पोस्चर में लंबे समय तक एसी में बैठने से दर्द और अकड़न बढ़ जाता है।

सिरदर्द और तनाव बना रहता है : अगर आप भी एसी में पूरे दिन बैठे रहते हैं और शरीर को नेचुरल हवा नहीं मिल रही है। इस कारण से थकावट और सिरदर्द हो सकता है। इसका प्रभाव आपके मेंटल हेल्थ पर भी पड़ सकता है, जिससे मानसिक रूप से थकावट हो सकती है।

इम्यूनिटी कमजोर होने लगती है : एसी में लगातार बैठे रहने से इम्यूनिटी पर भी प्रभाव पड़ता है। शरीर की तापमान झेलने की क्षमता कम हो सकती है। इसके साथ ही इंफेक्शन और कोल्ड भी हो सकता है।

गर्मियों के मौसम में लू से भी बचाएगा

घर पर ही बनाएं बेल का टेस्टी शरबत

यूनिक समय, नई दिल्ली। क्या आपको भी गर्मियों में बेल का शरबत पीना अच्छा लगता है? अगर हां, तो आपको औषधीय गुणों से भरपूर इस नेचुरल ड्रिंक की बेहद आसान रेसिपी को जरूर ट्राई करके देखना चाहिए। पुराने जमाने से गर्मियों के मौसम में बेल का शरबत पीने की सलाह दी जाती रही है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि बेल के शरबत में विटामिन सी, विटामिन ए, बीटा–कैरोटीन, कैल्शियम, पोटैशियम, फाइबर, आयरन, एंटीऑक्सीडेंट समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। आइए औषधीय गुणों से भरपूर इस ड्रिंक की रेसिपी के बारे में जानकारी हासिल करते हैं।

बनाने की विधि: बेल का शरबत बनाने के लिए सबसे पहले बेल फल को अच्छी तरह से धो लीजिए और फिर इसे दो पीस में काट लीजिए। अब आपको बेल के अंदर मौजूद गूदे को और बीज को अलग कर लेना है। इसके बाद गूदे को छोटे–छोटे टुकड़ों में काट लीजिए। गूदे को मिक्सर में डाल दीजिए। गूदे के साथ थोड़ा सा पानी एड कर इसे अच्छी तरह से पीस लीजिए। अब आपको इस गूदे को एक गिलास में छान लेना है जिससे गूदा छन्नी में रह जाए और रस गिलास में निकल जाए। बेल के इस शरबत में मिठास एड करने के लिए शहद या फिर चीनी डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लीजिए। बेल के शरबत के टेस्ट को बढ़ाने के लिए आप इसमें नींबू का रस भी मिला सकते हैं। आखिर में आप इस जूस में स्वाद के हिसाब से पानी भी मिला सकते हैं। बेल के इस शरबत को फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख दीजिए। अगर आप चाहें तो बेल के शरबत में बर्फ के कुछ टुकड़ों को एड करके भी सर्व कर सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस रेसिपी को फॉलो कर आप न केवल बेल के शरबत के टेस्ट का लुत्फ उठा पाएंगे बल्कि अपने शरीर को लू के प्रकोप से भी बचा पाएंगे। बेल का शरबत शरीर और सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

फ्रिज में इन फलों को न रखें वरना स्वाद हो जाएगा फीका!

यूनिक समय, मथुरा। अगर आपको भी यही लगता है कि सभी फलों को फ्रिज में रखने से उन्हें लंबे समय तक खराब होने से बचाया जा सकता है, तो आपको अपनी इस गलतफहमी को दूर कर लेना चाहिए।

गर्मियों में फलों और सब्जियों को खराब होने से बचाने के लिए लोग अक्सर फ्रिज का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ फलों और सब्जियों को फ्रिज में नहीं रखना चाहिए? आइए कुछ ऐसे फलों के बारे में जानते हैं, जिन्हें फ्रिज में रखने से उनके स्वाद में बदलाव आ सकता है। इतना ही नहीं कुछ फलों को फ्रिज में रखने से उनकी बनावट पर भी बुरा असर पड़ सकता है।

क्या आप भी खट्टे फलों को अक्सर फ्रिज में रख देते हैं? अगर हां, तो आपको अपनी इस आदत को जल्द से जल्द सुधार लेना चाहिए। संतरा–नींबू में सिट्रिक एसिड होता है और इस तरह के फल फ्रिज की ठंडक को सहन नहीं कर पाते हैं। यही वजह है कि इन फलों को फ्रिज में रखने से बचना चाहिए। अगर आप केले को फ्रिज में रखते हैं, तो केले का छिलका जल्दी काला पड़ सकता है। केले को फ्रिज में रखने से केला जल्दी खराब हो सकता है। इसके अलावा आम को भी फ्रिज में रखने से बचना चाहिए। केले और आम के अलावा आपको आड़ू–चैरी जैसे बीज वाले फलों को भी फ्रिज में नहीं रखना चाहिए वरना ये फल ठीक तरीके से पक नहीं पाएगा।

क्या आप तरबूज और खरबूज को खराब होने से बचाने के लिए फ्रिज में रख देते हैं? अगर हां, तो आपको बता दें कि आपकी ये गलती आपकी सेहत पर भारी पड़ सकती है। अगर तरबूज को या फिर खरबूज को काटकर फ्रिज में रखा जाता है, तो इन फलों में मौजूद पोषक तत्व नष्ट हो सकते हैं। फ्रिज में रखे तरबूज और खरबूज को खाने से आपकी सेहत को कम फायदा पहुंच पाएगा।

पराशर झील: प्राकृतिक सौंदर्य और रोमांच से भरपूर शानदार यात्रा

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में कुछ ऐसी झील भी हैं, जो उसकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करती हैं। हिमाचल की हसीन वादियों में स्थिति पराशर झील भी बहुत शानदार है। इसकी खूबसूरती देखकर आपका वापस आने का मन नहीं करेगा।

हिमाचल प्रदेश की हसीन वादियों में हर रोज हजारों की संख्या में लोग घूमने के लिए पहुंचते हैं। इन जगहों की खूबसूरती देखकर लोग अभिभूत हो जाते हैं। हिमाचल प्रदेश में कुल्लू–मनाली, स्पीति वैली, शिमला और डलहौजी के बारे में तो हर कोई जानता है। लेकिन वहीं इस राज्य में कुछ ऐसी झील भी हैं, जो उसकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं। हिमाचल की हसीन वादियों में स्थिति पराशर झील भी बहुत शानदार है। इसकी खूबसूरती देखकर आपका वापस आने का मन नहीं करेगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दिल्ली से पराशर झील के शानदार ट्रिप के बारे में बताने जा रहे हैं।

बता दें कि पराशर झील ऋषि पराशर के नाम पर है। यह झील समुद्र तल से करीब 2 हजार से अधिक फीट की ऊंचाई पर मौजूद है। इस झील के किनारे पर ऋषि पराशर का प्राचीन मंदिर भी मौजूद है। पराशर झील के चारों ओर उंचे–उंचे पहाड़ मौजूद हैं और सर्दियों के मौसम में इस झील की उंचाई चरम पर होती है। वहीं गर्मियों में भी यहां पर लोग ठंडी हवाओं का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं।

दिल्ली से मंडी ऐसे पहुंचें : दिल्ली से पराशर झील जाने के लिए आप दिल्ली के कश्मीरी गेट बस स्टैंड से हिमाचल रोडवेज बस से मंडी पहुंच सकते हैं। अगर आप दिल्ली से शाम या रात में हिमाचल के लिए बस पकड़ते हैं तो आप सुबह–सुबह मंडी पहुंच सकते हैं। मंडी पहुंचने के बाद वहां पर स्टे करें और कुछ बेहतरीन जगहों पर घूमने के लिए जा सकते हैं। फिर अगले दिन मंडी से पराशर झील के लिए निकल जाएं।

मंडी में घूमने की जगहें : अगर आप मंडी में रुकते हैं, तो आप शानदार और हसीन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। मंडी को कई लोग 'छोटा काशी' के नाम से भी जानते हैं। क्योंकि यहां पर कई फेमस और प्राचीन मंदिर हैं।

मंडी में आप भूतनाथ मंदिर, रिवालसर झील, त्रिलोकी नाथ मंदिर और सुंदरनगर झील जैसी खूबसूरत जगहों को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। यहां पर आप कैंपिंग, हाईकिंग और ट्रैकिंग जैसी शानदार एक्टिविटी कर सकते हैं।

ऐसे पहुंचे पराशर झील : बता दें कि मंडी से पराशर झील पहुंचना बहुत आसान है। मंडी से पराशर झील पहुंचने के लिए आप हिमाचल रोडवेज बस, कैब बुक करके और तीसरा बाइक रेंट पर लेकर जा सकते हैं।

अगर आप बस से जाना चाहते हैं कि मंडी बस स्टैंड से बस पराशर झील के लिए सुबह 8 बजे से चलती हैं, जोकि शाम को 4 बजे वापस आती है।

बस का किराया 120–150 रुपए के आसपास है। वहीं कैब से जाने पर आपको 2000–3000 रुपए के बीच किराया लगेगा। वहीं अगर आप बाइक रेंट पर लेकर जाते हैं, तो 500–700 रुपए के बीच किराया आ सकता है।

मंडी से पराशर झील की दूरी करीब 50 किमी है। इस बीच में तमाम शानदार और बेहतरीन जगहें मौजूद हैं। जिनको आप एक्सप्लोर कर सकते हैं। इस सफर में आप कई हसीन और लुभावने दृश्यों को अपने कैमरे में कैद कर सकते हैं। मंडी और पराशर झील के बीच में आप आईआईटी मंडी, संदोया गांव, सघली गांव, खलियार गांव से लेकर बिजनी और बाघी गांव को एक्सप्लोर कर सकते हैं। वहीं आप रास्ते में इन जगहों पर रुककर चाय का स्वाद लेते हुए हिमाचल पर्वत की खूबसूरती को पास से देख सकते हैं।

इन बातों का रखें खास ख्याल : सफर के लिए आप फास्ट फूड पैक कर सकते हैं। क्योंकि आपको झील के पास बहुत कम दुकानें मिलेंगी। मंडी से पराशर झील घूमने जाने के लिए गर्मी या ठंडी में प्लान बनाएं। आप पराशर झील के लिए सुबह–सुबह निकल सकते हैं। जिससे कि अंधेरा होने से पहले वापस आ सकें। वहीं अपने साथ जरूरी दवाएं रखना न भूलें।

सुविचार

खुद पर भरोसा रखें, दुनिया खुद आपकी काबिलियत पहचान लेगी।

कल का पंचांग

तिथि	तृतीया	10:09-12:00 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	विशाखा	09:35- 12:07 तक	माह	बैशाख
सूर्योदय		6:09 AM	चन्द्रोदय	9:49 PM
सूर्यास्त		6:34 PM	चंद्रास्त	8:17 AM
सूर्य राशि		मीन राशि	चंद्र	तुला राशि
शुभ मुहूर्त		11:57AM -12:46 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:32-05:20
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		05:01 PM: 06:34 PM	वार	रविवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

ग्रह दोष शांत करने में सहायक हैं ये पवित्र पौधे

अपनी राशि का पौधा लगाकर पर्यावरण व भाग्य सुधारें

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिषाचार्य डॉ. अनीष व्यास ने बताया कि स्कंद पुराण में हर व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम सात तरह के पौधे पीपल, नीम, बरगद, इमली, कैथा, बेल, आंवला और आम जरूर लगाने चाहिए। विकास की अंधी दौड़ में हमने सबसे ज्यादा बलि पेड़ों की दी है।

पेड़–पौधे पर्यावरण के साथ–साथ मानव जीवन पर भी प्रभाव डालते हैं। उसी तरह, जैसे हर ग्रह और राशि अपने गुण–दोषों के कारण मानव जीवन को प्रभावित करते हैं। यूं तो पौधे सभी रूपों में मानव के लिए लाभदायक हैं, पर राशि और ग्रह को ध्यान में रखकर पौधे लगाने से मानव को काफी सफलता मिलती है। आदि काल से ही मनुष्य के जन्म से मरण तक के अनुष्ठानों में पेड़–पौधों की विशेष भूमिका रही है। ज्योतिषाचार्य डॉ. अनीष व्यास ने बताया कि प्रत्येक व्यक्ति का जन्म किसी न किसी राशि के नक्षत्र में ही होता है।

प्रत्येक ग्रह, राशि और नक्षत्र का एक प्रतिनिधि वृक्ष होता है। यहां नक्षत्र, ग्रह और राशियों के वृक्ष को जानकर आप अपने घर के आसपास उचित स्थान पर लगाएंगे तो आपको इसका लाभ मिलेगा। इन पौधों के विकसित होने पर आपके ग्रह नक्षत्र सही हो जाएंगे।

राशि के अनुसार पेड़ लगाने से न केवल वह ग्रह शांत होता है, बल्कि जैसे–जैसे पौधा बढ़ता है, व्यक्ति को उतना ही अधिक उसका लाभ मिलता है। वह सफलता के सोपान चढ़ने लगता है। राशि व ग्रह के अनुसार पेड़ लगाने से उनके प्रभाव भी सकारात्मक पड़ते हैं। इसके साथ ही सुख–समृद्धि और शांति की प्राप्ति होती है।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि स्कंद पुराण में हर व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम सात तरह के पौधे पीपल, नीम, बरगद, इमली, कैथा, बेल, आंवला और आम जरूर लगाने चाहिए। विकास की अंधी दौड़ में हमने सबसे ज्यादा बलि पेड़ों की दी है। कोविड काल में लोगों को इसका महत्व समझ में आया था। हमारे धर्मग्रंथों में पेड़ों को लगाने के साथ उनकी पूजा का भी विधान है।

गुरु को बल देने के लिए केले, शनि के लिए पीपल की पूजा की जाती है। वट वृक्ष में तो ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों देवताओं का वास होता है। ग्रह के अनुसार भी पौधे रोपे जा सकते हैं। इसमें सूर्य ग्रह का अर्क, चंद्रमा को पलाश, मंगल का खैर, बुध का अपमार्ग, गुरु का पीपल, शुक्र का सफेद चंदन या गूलर, शनि का शमी, राहु का दुर्वा व केतु का कुश वृक्ष माना जाता है। इन पौधों को रोपने से ग्रह शांत होते हैं। जीवन में खुशहाली भी आती है।

नवग्रह वाटिका भी करती है कमाल

डॉ. अनीष व्यास ने बताया कि सूर्य ग्रह के लिए मदार, सोम के लिए पलाश, मंगल के लिए खैर, बुध के लिए अपामार्ग (लटजीरा), गुरु के लिए पीपल, शुक्र के लिए गूलर, शनि के लिए शमी, राहु के लिए दूब और केतु के लिए कुश निर्धारित है। नवग्रह वाटिका भी कमाल करती है।

पेड़ काटने से आती है जीवन में परेशानी

पेड़ काटने से जीवन में कई प्रकार की परेशानी आती है। ग्रह बाधा भी शुरू हो जाती है। इसलिए कभी भी हरे भरे पेड़ों को नहीं काटना चाहिए। पेड़ काटने वाले लोग अमूमन परेशान ही नजर आते हैं।

ग्रहों के अनुसार लगाएं पेड़–पौधे

सूर्य: मदार का पेड़।
चंद्र: पलाश या पोस्त का पेड़।
मंगल: नीम, ढाक या खैर का पेड़।
बुध: अपामार्ग का पेड़, केला या चौड़े पत्ते के पौधे।
गुरु: पारस पीपल, पीपल या केले का पेड़।
शुक्र: मूलर का पेड़, कपास का पौधा और बेलदार पौधे जैसे मनी प्लांट
शनि: शमी का पेड़, कीकर, आक, खजूर भी है।
राहु: दूर्वा घास, नारियल का पेड़ या चंदन का पेड़।
केतु: कुशा का पेड़, इमली का पेड़, तिल के पौधे और केले के पेड़।

लगा सकते हैं सप्तऋषि वन

कुंडली विश्लेषक डॉ. अनीष व्यास ने बताया कि नक्षत्र समूह में प्रमुख सात भारतीय ऋषि कश्यप, अत्रि, भारद्वाज, जमदग्नि, विश्वामित्र, वशिष्ठ और गौतम से संबंधित पौधों से मिलकर सप्तऋषि वन बनते हैं। ये पौधे तुलसी, अगस्त्य, चिडचिडा, दूब, बेल, शमी और धतूरा हैं।

राशि अनुसार लगाएं पेड़–पौधे

मेष- आंवला, कुचला, गूलर
वृषभ- जामुन, खैर, गूलर
मिथुन- खैर, शीशम, बांस और अपामार्ग
कर्क- बांस, पीपल, नागकेसर
सिंह-पिलखन, पलाश, बरगद
कन्या-बेल, पिलखन, जूही
तुला- बेल, अर्जुन, नागकेसर
वृश्चिक- सेमल, साल, नागकेसर
धनु- साल, कटहल, रोतांग, पाम
मकर- कटहल, नदीर, शमी
कुंभ- कदंब, आम, शमी
मीन- नीम, आम, महुआ

यह पौधे सभी राशियों के लिए शुभ नागचंपा, अशोक, जूही, अर्जुन, नारियल आदि के पौधे या पेड़ लगाना सभी राशियों के लिए शुभ माना जाता है।

व्रत–त्योहार का कैलेंडर 2026

- 5 अप्रैल, दिन रविवार: विकट संकष्टी
- 13 अप्रैल, दिन सोमवार: वरूथिनी एकादशी
- 14 अप्रैल, दिन मंगलवार: बैसाखी
- 15 अप्रैल, दिन बुधवार: बुध प्रदोष व्रत, वैशाख मासिक शिवरात्रि
- 17 अप्रैल, दिन शुक्रवार: दर्श अमावस्या, वैशाख अमावस्या
- 19 अप्रैल, दिन रविवार: अक्षय तृतीया
- 20 अप्रैल, दिन सोमवार: संकर्षण चतुर्थी
- 27 अप्रैल, दिन सोमवार: मोहिनी एकादशी
- 28 अप्रैल, दिन मंगलवार: भौम प्रदोष व्रत
- 1 मई, दिन शुक्रवार: वैशाख पूर्णिमा
- 5 मई, दिन मंगलवार: एकदन्त संकष्टी
- 13 मई, दिन बुधवार: अपरा एकादशी
- 14 मई, दिन बृहस्पतिवार: गुरु प्रदोष व्रत
- 15 मई, दिन शुक्रवार: ज्येष्ठ मासिक शिवरात्र
- 16 मई, दिन शनिवार: ज्येष्ठ अमावस्या, पहली शनि अमावस्या
- 20 मई, दिन बुधवार: वरद चतुर्थी
- 27 मई, दिन बुधवार: पद्मिनी एकादशी
- 28 मई, दिन बृहस्पतिवार: गुरु प्रदोष व्रत
- 30 मई, दिन शनिवार: ज्येष्ठ अधिक पूर्णिमा

कल का राशिफल

कल का दिन कई राशियों के लिए सकारात्मक संकेत लेकर आया है। मेष राशि के जातकों के लिए दिन शुभ रहेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा और धन–संपत्ति में निवेश के योग बनेंगे। पारिवारिक संबंध मजबूत होंगे और दांपत्य जीवन में चल रहा तनाव दूर हो सकता है।

वृषभ राशि के लोगों को खर्चों पर नियंत्रण रखने की जरूरत है। हालांकि वैवाहिक जीवन में सुधार आएगा और नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छे अवसर मिल सकते हैं।

मिथुन राशि के लिए दिन संतुलन बनाने का है। आय–व्यय को नियंत्रित करने में सफलता मिलेगी और परिवार से सहयोग प्राप्त होगा।

कर्क राशि के जातकों के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा। नौकरी और कारोबार में प्रगति के संकेत हैं, लेकिन विवादों से दूर रहने की सलाह दी जाती है। सिंह राशि के लोगों को मेहनत अधिक करनी पड़ेगी, हालांकि नई आय के स्रोत भी खुल सकते हैं।

कन्या राशि के लिए दिन अनुकूल है, लेकिन विरोधियों से सावधान रहना जरूरी है।

तुला राशि के जातकों को व्यापार और नौकरी में लाभ मिलेगा, साथ ही पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा।

वृश्चिक राशि के लोगों को आज सतर्क रहने की आवश्यकता है। निवेश से बचें और कार्यक्षेत्र में सोच–समझकर निर्णय लें।

धनु राशि के लिए दिन फलदायी रहेगा, मेहनत का पूरा लाभ मिलेगा और विवाह के प्रस्ताव आ सकते हैं।

मकर राशि के लिए दिन खुशियों से भरा रहेगा। रुके हुए कार्य पूरे होंगे और परिवार का सहयोग मिलेगा।

कुंभ राशि के जातकों को व्यापार में लाभ मिलेगा, हालांकि कार्यस्थल पर सतर्कता जरूरी है।

मीन राशि के लिए दिन स्वास्थ्य और आर्थिक दृष्टि से अच्छा रहेगा। पुराने धन की वापसी हो सकती है और पारिवारिक सहयोग मिलेगा।

पीपल के पत्ते से जुड़ा यह उपाय दूर करेगा हर परेशानी

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में पौराणिक काल से ही पीपल के पेड़ की पूजा–अर्चना करने का विधान है। अगर आप भी अपने जीवन में अपार सुख–शांति, धन–ऐश्वर्य चाहते हैं, तो आपको इस पीपल के पेड़ से जुड़े ये उपाय जरूर करने चाहिए। यह उपाय आपको लाभ पहुंचा सकते हैं।

हिंदू धर्म में पौराणिक काल से ही पीपल के पेड़ की पूजा–अर्चना करने का विधान है। धार्मिक मान्यता के मुताबिक इस पेड़ में त्रिदेव यानी की ब्रह्मा, विष्णु, महेश का निवास होता है।

पीपल के पेड़ में ब्रह्मा जी, ऊपरी भाग में शिव और तने में श्रीहरि विष्णु का वास माना जाता है। मान्यता है कि पीपल के पेड़ की जड़ की पूजा करने से भगवान शनिदेव प्रसन्न होते हैं और अशुभ ग्रहों से मुक्ति मिलती है।

ऐसे में अगर आप भी अपने जीवन में अपार सुख–शांति, धन–ऐश्वर्य चाहते हैं, तो आपको इस पीपल के पेड़ से जुड़े ये उपाय जरूर करने चाहिए। यह उपाय आपको लाभ पहुंचा सकते हैं।

तो आइए जानते हैं इन उपायों के बारे में...

यदि आप लंबे समय से किसी तरह की बीमारी से परेशान हैं, तो रात में सोने से पहले पीपल के पत्ते को तकिए के नीचे रख दें। इस उपाय को करने से पीड़ित व्यक्ति को जल्द ही बीमारियों से छुटकारा मिलेगा।

जीवन से दुख और संकटों को दूर करने के लिए सोमवार के दिन या फिर किसी खास मौके पर पीपल के पेड़ के नीचे शिवलिंग विराजमान कर रोजाना पूजा–अर्चना करनी चाहिए। इस उपाय को करने से जीवन में सुख–शांति का आगमन होता है।

आर्थिक तंगी से मिलेगी मुक्ति

आर्थिक तंगी का सामना कर रहे लोग सुबह स्नान आदि कर पीपल के पत्ते को गंगाजल से स्वच्छ कर लें। फिर इस पत्ते पर हल्दी और दही से 'ॐ हं हनुमते नमः' लिखें। इसके बाद सच्चे मन से इस पत्ते की पूजा कर हनुमान चालीसा का पाठ करें।

अंत में इस पत्ते को बहते हुए जल में प्रवाहित कर दें। ऐसा करने से व्यक्ति को आर्थिक तंगी से मुक्ति मिलती है।

वहीं अगर आप कर्ज की समस्या से परेशान हैं, तो पीपल के पत्ते पर सिंदूर लगाकर इसे सोने से पहले तकिया के नीचे रख दें। इस उपाय को करने से जल्द ही कर्ज से छुटकारा मिलेगा।

सम्पादकीय

अर्थव्यवस्था की अदृश्य रीढ़ है 'गृहिणी का श्रम'

भारतीय घरों में एक अद्भुत चमत्कार रोज घटित होता है। सुबह उठते ही चाय अपने आप बन जाती है, बच्चों का टिफिन अपने आप तैयार हो जाता है, कपड़े अपने आप धुल जाते हैं और घर बिना किसी मैनेजमेंट डिग्री के शानदार तरीके से चल पड़ता है। इस चमत्कार का नाम है–गृहिणी। फर्क बस इतना है कि इस 'मैजिक सिस्टम' का कोई वेतन नहीं, कोई छुट्टी नहीं और कोई औपचारिक पहचान भी नहीं। हमारे समाज ने अर्थशास्त्र को बड़ा सरल बना दिया है–जो पैसा कमाए वही 'काम' करता है, बाकी सब 'फुर्सत' में हैं। इस हिसाब से अगर गृहिणी एक दिन भी हड़ताल पर चली जाए, तो घर का जीडीपी सीधे शून्य पर आ जाएगा। लेकिन अफसोस, इस योगदान को अब तक "तुम तो घर पर ही रहती हो" जैसे वाक्यों में समेट दिया गया।

पवन गौतम
संपादक

हाल ही में अदालत ने इस श्रम पर हल्का–सा हथौड़ा चलाया और कह दिया कि गृहिणी को 'बेकार' नहीं कहा जा सकता। यह बात सुनकर शायद कई लोगों को उतना ही आश्चर्य हुआ होगा, जितना पहली बार वॉशिंग मशीन देखकर हुआ था। यानी अब यह मानने की शुरुआत हो रही है कि घर चलाना भी एक 'फुल–टाइम जॉब' है–बस इसमें सैलरी की जगह "समझौता" और "कर्तव्य" मिलता है। विडंबना देखिए, जब कोई महिला शादी के बाद नौकरी छोड़ती है, तो उसे 'परिवार के लिए त्याग' कहा जाता है। लेकिन कुछ साल बाद वही त्याग 'तुम करती ही क्या हो?' में बदल जाता है। यानी पहले ताली, फिर तंज। यह दोहरा मापदंड इतना सामान्य हो चुका है कि किसी को अजीब भी नहीं लगता। असल में समस्या आर्थिक नहीं, मानसिक है। हमने काम की परिभाषा को बाजार से जोड़ दिया है। जो बिके वही मूल्यवान, जो न बिके वह भावनात्मक। गृहिणी का श्रम बाजार में नहीं बिकता, इसलिए उसे मुफ्त सेवा मान लिया गया। जबकि सच्चाई यह है कि उसी श्रम पर एक कामकाजी व्यक्ति का पूरा करियर खड़ा होता है।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

आज की महिला दोहरी जिम्मेदारी निभा रही है–ऑफिस भी संभाल रही है और घर भी। फिर भी घर के काम का मूल्यांकन शून्य ही रहता है। यह शून्य ही असली समस्या है। अदालत का फैसला केवल कानूनी टिप्पणी नहीं, बल्कि सामाजिक आईना है। यह हमें याद दिलाता है कि घर चलाना कोई 'ऑटोमेटिक प्रोसेस' नहीं, बल्कि एक अदृश्य प्रबंधन प्रणाली है, जिसे अब तक बिना वेतन और बिना मान्यता के चलाया जा रहा है। अब सवाल यह नहीं है कि गृहिणी काम करती है या नहीं। सवाल यह है कि हम उसके काम की कीमत कब समझेंगे–और क्या कभी सच में चुकाएंगे भी?

नजरिया

अर्धसैनिक बलों को मिले नेतृत्व अधिकार और सम्मान

बोध प्रकाश सगुणी

भारत की सुरक्षा व्यवस्था का सबसे मजबूत और सबसे कम चर्चित स्तंभ हैं केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ)। ये वही बल हैं जो देश की सीमाओं पर सबसे आगे खड़े रहते हैं, आतंकी हमलों का पहला सामना करते हैं, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में ऑपरेशन चलाते हैं और चुनावों के दौरान लोकतंत्र की रक्षा करते हैं। फिर भी विडंबना यह है कि इन बलों के अधिकारियों को वह नेतृत्व अधिकार और संस्थागत सम्मान नहीं मिल पाता, जिसके वे वास्तविक हकदार हैं।

सीमा पर तैनात एक जवान की स्थिति को समझना जरूरी है। चाहे राजस्थान का तपता रेगिस्तान हो, कश्मीर की बर्फीली चोटियां हों या असम में बहती ब्रह्मपुत्र की बाढ़–हर परिस्थिति में सीएपीएफ का जवान डटा रहता है। पाकिस्तान या बांग्लादेश की सीमा पर सबसे पहले आमना–सामना इन्हीं का होता है। भारतीय सेना कई बार रणनीतिक दूरी पर रहती है, लेकिन पहला जोखिम उठाने वाला चेहरा अक्सर बीएसएफ या अन्य अर्धसैनिक बलों का ही होता है। इतिहास गवाह है कि जब–जब देश पर संकट आया, इन बलों ने सबसे आगे बढ़कर जिम्मेदारी निभाई। संसद पर हमला हो या पुलवामा की त्रासदी, माओवादी हिंसा हो या सीमाओं पर तनाव–हर मोर्चे पर इनकी भूमिका निर्णायक रही है। इसके बावजूद इनके अधिकारियों के करियर ग्रोथ, प्रमोशन और नेतृत्व अवसरों में गंभीर असमानता दिखाई देती है। अगर एक ही समय में तीन युवा अलग–अलग सेवाओं–सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बल–में शामिल होते हैं, तो 15–17 वर्षों बाद स्थिति चौंकाने वाली होती है। सेना और पुलिस के अधिकारी कई प्रमोशन प्राप्त कर नेतृत्व पदों तक पहुंच जाते हैं, जबकि सीएपीएफ का अधिकारी अक्सर उसी रैंक पर बना रहता है, जिससे उसने शुरुआत की थी। यह केवल प्रशासनिक समस्या नहीं, बल्कि मनोबल से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। मनोबल किसी भी सुरक्षा बल की रीढ़ होता है। एक अधिकारी तभी अपने जवानों का नेतृत्व प्रभावी ढंग से कर सकता है, जब उसे संस्थागत समर्थन और प्रगति का अवसर मिले। सेना में यह व्यवस्था स्पष्ट है–एक अधिकारी अपेक्षाकृत कम उम्र में कमांडिंग भूमिका में पहुंच जाता है। इससे वह शारीरिक रूप से सक्षम रहते हुए कठिन परिस्थितियों में नेतृत्व कर सकता है। इसके विपरीत, सीएपीएफ में कई बार अधिकारी 50 वर्ष की आयु के बाद कमांडिंग भूमिका में आते हैं, जो व्यावहारिक रूप से चुनौतीपूर्ण होता है। यह समस्या केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि संगठनात्मक दक्षता से भी जुड़ी है। आतंकवाद–रोधी अभियानों या नक्सल ऑपरेशनों में नेतृत्व सामने से करना पड़ता है। यह केवल रणनीति का नहीं, बल्कि साहस और ऊर्जा का भी सवाल है। यदि नेतृत्व संरचना ही कमजोर होगी, तो उसका असर पूरे बल की कार्यक्षमता पर पड़ेगा। एक और महत्वपूर्ण पहलू चयन प्रक्रिया का है। सीएपीएफ अधिकारियों का चयन भी उसी स्तर की प्रतियोगी परीक्षा से होता है, जिससे देश के शीर्ष प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी चुने जाते हैं। यानी योग्यता, प्रतिभा और प्रशिक्षण के स्तर पर कोई कमी नहीं है। फिर भी उन्हें नेतृत्व के समान अवसर न मिलना एक बड़ी विसंगति है। हाल के वर्षों में न्यायपालिका ने इस मुद्दे को गंभीरता से लिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने सीएपीएफ कैडर को संगठित समूह–ए सेवा का दर्जा देते हुए उच्च पदों पर कैडर अधिकारियों की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में निर्देश दिए। यह कदम न केवल न्यायसंगत था, बल्कि इससे बलों के भीतर विश्वास और संतुलन स्थापित होने की उम्मीद जगी थी। हालांकि, इसके बाद प्रस्तावित विधायी बदलावों ने नई चिंता पैदा कर दी है। यदि नीतियां इस दिशा में जाती हैं कि बाहरी प्रतिनियुक्ति को प्राथमिकता मिले और कैडर अधिकारियों के अवसर सीमित हों, तो इससे न केवल असंतोष बढ़ेगा, बल्कि बलों की दीर्घकालिक प्रभावशीलता भी प्रभावित होगी।

सीएपीएफ की भूमिका केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है। ये बल खुफिया जानकारी जुटाते हैं, आपदा प्रबंधन में सक्रिय रहते हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की सॉफ्ट पावर का भी प्रतिनिधित्व करते हैं। चुनावों के दौरान इनकी निष्पक्ष भूमिका लोकतंत्र की विश्वसनीयता को मजबूत करती है। महिला अधिकारी और जवान भी समान जोखिम उठाते हुए हर मोर्चे पर योगदान दे रही हैं।

ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या हम इन बलों के साथ न्याय कर रहे हैं? क्या एक राष्ट्र के रूप में हम उनकी सेवाओं का सम्मान केवल शब्दों तक सीमित रख रहे हैं, या उसे नीतिगत रूप में भी लागू कर रहे हैं? समाधान स्पष्ट है, लेकिन उसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति जरूरी है। सबसे पहले, प्रमोशन और करियर प्रगति की प्रक्रिया को पारदर्शी और समयबद्ध बनाना होगा। दूसरे, नेतृत्व पदों पर कैडर अधिकारियों की भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। तीसरे, प्रशिक्षण और संसाधनों के साथ–साथ मानसिक स्वास्थ्य और कार्य–जीवन संतुलन पर भी ध्यान देना होगा। इसके अलावा, एक समान और न्यायसंगत कैडर नीति बनाना जरूरी है, जिससे सभी बलों में संतुलन बना रहे। इससे न केवल अधिकारियों का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि संगठन के भीतर प्रतिस्पर्धा और दक्षता भी सुधरेगी। अंततः यह समझना होगा कि अर्धसैनिक बल केवल सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि वे देश की पहली रक्षा पंक्ति हैं। उनका मनोबल ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। यदि यह कमजोर पड़ा, तो उसका असर सीधे देश की सुरक्षा पर पड़ेगा। भारत ने हमेशा अपने इन योद्धाओं से सब कुछ मांगा है–उनका समय, उनका परिवार, उनकी सेहत और कई बार उनका जीवन भी। ऐसे में एक कृतज्ञ राष्ट्र का कर्तव्य है कि उन्हें केवल सम्मान ही नहीं, बल्कि अधिकार भी दे। नेतृत्व का अधिकार, प्रगति का अवसर और न्यायपूर्ण व्यवस्था–यही वह न्यूनतम आधार है, जिस पर एक मजबूत और आत्मविश्वासी सुरक्षा तंत्र खड़ा होता है।

विचार पिण्डो

धार्मिक स्थलों पर बंदरों का आतंक और सुरक्षा की चुनौती

अशोक मधुप

धार्मिक स्थलों पर बंदरों की समस्या भारत में लंबे समय से बनी हुई है। यह केवल एक स्थानीय या मामूली परेशानी नहीं, बल्कि एक सामाजिक, धार्मिक और प्रशासनिक चुनौती बन चुकी है। हर श्रद्धालु जो मंदिर, आश्रम या तीर्थ यात्रा पर जाता है, उसे कभी–कभी बंदरों के झपटमार, चश्मा छीनने, भोजन और वस्त्र निकालने जैसे कृत्यों का सामना करना पड़ता है। हालांकि बंदरों को हिन्दू धर्म में पवित्र और पूजनीय माना जाता है, लेकिन उनकी बढ़ती आबादी और नियंत्रित न रहने वाली आदतें स्थानीय लोगों और तीर्थयात्रियों के लिए परेशानी का सबब बन गई हैं। हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का वृंदावन का तीन दिवसीय प्रवास इस समस्या का जीवंत उदाहरण है। राष्ट्रपति जब किसी धार्मिक स्थल पर आती हैं, तो प्रशासन हर संभव उपाय करता है ताकि उनका दौरा सुरक्षित रहे। लंगूरों के कट–आउट और बांधे गए लंगूरों की व्यवस्था सिर्फ इसीलिए की जाती है कि बंदर उनके दौरे के दौरान परेशानी न डालें। वीवीआईपी सुरक्षा में कोई कसर नहीं छोड़ी जाती, लेकिन सवाल यह उठता है कि आम श्रद्धालुओं और साधारण लोगों के लिए ऐसी व्यवस्था क्यों नहीं होती। आखिर, उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी तो प्रशासन की है। वृंदावन जैसे धार्मिक स्थलों में बंदरों का आतंक स्पष्ट रूप से दिखता है। लेखक अशोक मधुप ने चित्रकूट में हनुमान गढ़ी का दौरा करते हुए देखा कि बंदर और लंगूर श्रद्धालुओं के कपड़े, बैग और प्रसाद तक छीन लेते हैं। कुछ जगहों पर लंगूर बांधकर बंदरों को नियंत्रित किया गया था। बंदर लंगूर की सीमा से परे नहीं आते, और केवल उन्हीं स्थानों से दूरी बनाकर लौट जाते हैं। यह अनुभव साफ करता है कि बंदरों को नियंत्रित करने के लिए कुछ विशेष उपायों की आवश्यकता है। समस्या की जड़ केवल सुरक्षा नहीं है, बल्कि भोजन की कमी भी है। बंदरों की आबादी लगातार बढ़ रही है, और उनका पेट भरने की आवश्यकता उन्हें इंसानों के करीब ले आती है। अयोध्या और वृंदावन जैसे तीर्थस्थलों में बंदर अक्सर फूलों की माला, डस्टबिन या श्रद्धालुओं के प्रसाद से भोजन निकालते हैं। यदि उनकी भोजन की जरूरत पूरी नहीं होती, तो वे अपने पेट भरने के लिए अन्य रास्ते खोजते हैं–जैसे घरों, खेतों और बाजारों में घुसना। कृषि क्षेत्रों में भी यह समस्या गंभीर रूप ले चुकी है। बंदर खेतों की फसल तोड़कर खाते हैं, गन्ने और गेहूं की बाली निकालकर अपनी उदरपूर्ति करते हैं। इससे किसान आर्थिक नुकसान उठाने को मजबूर हैं। कई किसानों ने अब खेतों की रक्षा के लिए नौकर रखने शुरू कर दिए हैं। यह स्थिति

बताती है कि बंदरों की आबादी और उनके व्यवहार का कोई स्थायी समाधान जल्द ही आवश्यक है। अभी तक जो उपाय किए जा रहे हैं–जैसे बंदरों को पकड़कर जंगल में छोड़ना–वे अस्थायी हैं। जंगल से लौटकर बंदर फिर आबादी और धार्मिक स्थलों में लौट आते हैं। इसलिए, प्रशासनिक स्तर पर नसबंदी अभियान जैसे स्थायी उपाय अपनाना अनिवार्य हो गया है। बंदरों की ग्रुप लीडरों की नसबंदी करके उनकी आबादी नियंत्रित की जा सकती है। इससे ना केवल तीर्थयात्रियों की सुरक्षा बढ़ेगी, बल्कि किसानों और ग्रामीण इलाकों में भी उनकी हानिकारक गतिविधियों में कमी आएगी। वीवीआईपी सुरक्षा और आम श्रद्धालुओं की सुरक्षा में यह बड़ा अंतर दर्शाता है कि सरकारी और प्रशासनिक ध्यान केवल कुछ चुनिंदा मामलों तक सीमित रह जाता है। आम जनता भी सुरक्षा की हकदार है, और धार्मिक स्थलों पर उनकी यात्रा को सुरक्षित बनाना सरकार की जिम्मेदारी है। यदि आम श्रद्धालु बंदरों के आतंक का सामना कर रहे हैं, तो यह केवल उनका व्यक्तिगत अनुभव नहीं, बल्कि समाज में फैल रही एक व्यापक समस्या का संकेत है। धार्मिक स्थलों पर बंदरों की समस्या केवल सुरक्षा तक ही सीमित नहीं है। यह श्रद्धा और विश्वास पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। श्रद्धालु मंदिर, गद्दी या तीर्थ स्थल पर पूजा–अर्चना करने आते हैं, लेकिन बंदरों के आतंक से उनकी यात्रा भय और असुविधा में बदल जाती है। बच्चों और महिलाओं के लिए यह स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है। छतों पर चढ़ना, मंदिरों तक पहुंचना और अपने वस्त्र सुरक्षित रखना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। समाधान के लिए कई सामाजिक उपाय भी किए जा सकते हैं। स्थानीय समाजसेवी संस्थाओं को बंदरों की भोजन की व्यवस्था करनी चाहिए, ताकि उनका पेट भर सके और वे श्रद्धालुओं पर हमला करने से बचें। पर्याप्त फल, केले और अन्य प्राकृतिक भोजन उपलब्ध कराना उनकी हिंसक प्रवृत्ति को कम कर सकता है। यह न केवल बंदरों की सुरक्षा के लिए आवश्यक है, बल्कि श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की सुरक्षा और सुविधा के लिए भी अनिवार्य है। समस्या का दीर्घकालिक समाधान प्रशासनिक, सामाजिक और धार्मिक दृष्टिकोण से होना चाहिए। नसबंदी अभियान, भोजन की व्यवस्था और तीर्थस्थलों पर संरचनात्मक उपाय–जैसे लंगूर कट–आउट, सुरक्षित मार्ग और चेतावनी संकेत–इन सभी से बंदरों की समस्या को नियंत्रित किया जा सकता है। साथ ही, लोगों को शिक्षा और जागरूकता देना भी आवश्यक है कि वे बंदरों को परेशान न करें और उनके व्यवहार को समझें।

अंततः धार्मिक स्थलों पर बंदरों का आतंक एक ऐसा यक्ष प्रश्न बन गया है, जिसे हल करना न केवल प्रशासन का दायित्व है, बल्कि समाज की जिम्मेदारी भी बन चुकी है। वीवीआईपी सुरक्षा के उदाहरण से स्पष्ट है कि तकनीकी और सावधानीपूर्वक उपायों से इस समस्या का समाधान संभव है। यदि सरकार और समाज मिलकर काम करें, तो न केवल तीर्थयात्रियों की यात्रा सुरक्षित होगी, बल्कि बंदरों और मनुष्यों के बीच संतुलन भी कायम किया जा सकेगा।

आज जरूरत है कि हम इस समस्या को केवल एक मनोरंजन या छोटे संकट के रूप में न देखें। यह एक गंभीर सामाजिक, धार्मिक और पर्यावरणीय चुनौती है। बंदरों की बढ़ती आबादी, भोजन की कमी, और तीर्थस्थलों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा–ये सभी मिलकर एक जटिल स्थिति उत्पन्न करते हैं। यदि स्थायी और व्यवस्थित उपाय नहीं किए गए, तो भविष्य में यह समस्या और गंभीर रूप ले सकती है।

स्लो ओवर रेट ने जीत के बाद भी बढ़ाई चिंता

आईपीएल में अय्यर सहित पूरी टीम पर लगाया जुर्माना

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के मुकाबले में पंजाब किंग्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को हराकर शानदार जीत दर्ज की, लेकिन इस जीत के साथ टीम को एक बड़ा झटका भी लगा। स्लो ओवर रेट के कारण कप्तान श्रेयस अय्यर पर 24 लाख का जुर्माना लगाया गया है।

यह इस सीजन में पंजाब किंग्स की दूसरी ओवर–रेट गलती है, इसलिए सजा केवल कप्तान तक सीमित नहीं रही। टीम की पूरी प्लेइंग इलेवन और इम्पैक्ट प्लेयर पर भी जुर्माना लगाया गया है। सभी खिलाड़ियों पर छह लाख या उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत (जो भी कम हो) का दंड लगाया गया है।

आईपीएल के नियमों के अनुसार, यदि टीम से एक और बार ऐसी गलती होती है, तो अय्यर पर 30 लाख का जुर्माना लगेगा और उन्हें एक मैच के लिए बैन भी झेलना पड़ेगा। ऐसे में पंजाब किंग्स के लिए आगे के मैचों में समय प्रबंधन बेहद अहम हो गया है। मैच की बात करें तो कप्तान श्रेयस अय्यर ने बल्ले से बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने 29 गेंदों पर 50 रन की तेज पारी खेली और नेहल वाधेरा के साथ 59 रन की अहम साझेदारी की। यह साझेदारी मैच का टर्निंग पॉइंट साबित हुई। पंजाब किंग्स को जीत के लिए 209 रन का बड़ा लक्ष्य मिला था, जिसे टीम ने पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। इससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 209 रन बनाए थे। टीम की ओर से युवा बल्लेबाजी आयुष म्हात्रे ने 43 गेंदों में 73 रन की शानदार पारी खेली और कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के साथ 96 रन की साझेदारी की। हालांकि, पंजाब की शुरुआत भी दमदार रही। प्रियांश आर्य ने 11 गेंदों में 39 रन बनाकर टीम को तेज शुरुआत दिलाई। इसके बाद प्रभसिमरन सिंह, कूपर कोनोली और अय्यर की पारियों ने लक्ष्य को आसान बना दिया। इस जीत के साथ पंजाब किंग्स ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की, लेकिन स्लो ओवर रेट की गलती ने टीम को चेतावनी भी दे दी है। आने वाले मैचों में यदि समय प्रबंधन पर ध्यान नहीं दिया गया, तो कप्तान को बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है।

रामायण में रणबीर निभाएंगे राम और परशुराम दोनों की भूमिका

यूनिक समय, नई दिल्ली। एक्टर रणबीर कपूर ने कन्फर्म किया है कि वह फिल्म रामायण में भगवान राम के साथ भगवान परशुराम का किरदार भी निभाते नजर आएंगे। लॉस एंजेलिस में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि यह उनके करियर का बेहद खास अनुभव रहा है।

रणबीर ने कहा कि भगवान विष्णु के विभिन्न अवतारों में राम और परशुराम दोनों का विशेष स्थान है, और इन दोनों अलग–अलग स्वभाव वाले पात्रों को निभाना उनके लिए चुनौतीपूर्ण रहा। उन्होंने बताया कि केवल बॉडी लैंग्वेज ही नहीं, बल्कि किरदार की भावनाओं और आध्यात्मिकता को समझना भी जरूरी होता है।

फिल्म की तैयारी के लिए रणबीर ने करीब एक साल तक इन भूमिकाओं पर काम किया। उन्होंने पात्रों की सोच, उद्देश्य और व्यक्तित्व को गहराई से समझने की कोशिश की।

उन्होंने यह भी साझा किया कि शूटिंग के दौरान वह घर जाकर अपनी बेटी को रामायण की कहानियां सुनाते थे। उनकी बेटी की जिज्ञासा और उत्साह ने इस अनुभव को और खास बना दिया।

कॉन्सर्ट में हंगामा, सुनंदा शो को बीच में छोड़कर भागीं

यूनिक समय, नई दिल्ली। पंजाबी सिंगर सुनंदा शर्मा के लाइव कॉन्सर्ट में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई। गाजियाबाद के आरकेजीआईटी कॉलेज में चल रहे शो के दौरान एक फैन अचानक स्टेज पर चढ़ गया और सिंगर के पास पहुंचकर उन्हें छूने की कोशिश करने लगा।

इस अप्रत्याशित घटना से सुनंदा घबरा गईं और उनकी चीख निकल गई। उन्होंने तुरंत अपनी परफॉर्मेंस बीच में ही रोक दी और स्टेज छोड़कर बैकस्टेज चली गईं। माइक्रोफोन चालू होने के कारण उनकी आवाज पूरे मैदान में सुनाई दी, जिससे दर्शकों में अफरा–तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि आरोपी करीब दो मिनट तक स्टेज पर मौजूद रहा और अजीब हरकतें करता रहा। बाद में सुरक्षाकर्मियों और बाउंसरों ने उसे पकड़कर नीचे उतारा और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

इस घटना के बाद सिंगर इतनी डरी हुई थीं कि वह दोबारा स्टेज पर नहीं लौटीं, जिसके चलते शो को बीच में ही रद्द करना पड़ा।

अहमदाबाद में हाई स्कोरिंग मैच की पूरी उम्मीद

वैभव के सामने अनुभवी गेंदबाजों की कड़ी चुनौती

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल में शनिवार का दूसरा मुकाबला गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेला जाएगा। यह सीजन का नौवां मैच है जो अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शुरू होगा।

दोनों टीमों की शुरुआत अलग–अलग रही है। राजस्थान ने अपना पहला मुकाबला जीतकर आत्मविश्वास हासिल किया है, जबकि गुजरात को अपने शुरुआती मैच में हार का सामना करना पड़ा। हेड–टू हेड रिकॉर्ड की बात करें तो अब तक दोनों टीमें आठ बार भिड़ चुकी हैं, जिसमें गुजरात ने छह और राजस्थान ने दो मुकाबले जीते हैं।

इस मैच में सबसे ज्यादा नजरें युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पर रहेंगी। महज 15 साल की उम्र में उन्होंने अपने पहले ही मैच में 17 गेंदों पर 52 रन बनाकर शानदार शुरुआत की थी। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने सबका ध्यान खींचा है। हालांकि इस बार उनके सामने गुजरात का मजबूत पेस अटैक होगा। गुजरात की गेंदबाजी में कागिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे तेज गेंदबाज शामिल हैं, जो किसी भी बल्लेबाज के लिए चुनौती साबित हो सकते हैं। वहीं कप्तान शुभमन गिल की अगुआई में टीम अपनी पहली जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी। गुजरात की बल्लेबाजी फिलहाल चिंता का विषय बनी हुई है। गिल के अलावा जोस बटलर और साई सुदर्शन अपेक्षित तेजी से रन नहीं बना पा रहे हैं। मिडिल ऑर्डर भी अब तक स्थिर नजर नहीं आया है, जिसे इस मैच में सुधारने की जरूरत होगी।

पिच की बात करें तो नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच संतुलित मानी जाती है। शुरुआती ओवरों में तेज गेंदबाजों को मदद मिलती है, लेकिन बाद में बल्लेबाजी आसान हो जाती है। शाम के मैचों में ओस अहम भूमिका निभाती है, जिससे दूसरी पारी में रन बनाना आसान हो जाता है। यहां अब तक खेले गए 44 आईपीएल मैचों में पहले और बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीमों ने बराबर 22–22 मैच जीते हैं। हाल के मुकाबलों में 200 से ज्यादा का स्कोर आम हो गया है, इसलिए इस मैच के भी हाई–स्कोरिंग होने की संभावना है। मौसम साफ रहेगा, हालांकि गर्मी खिलाड़ियों को परेशान कर सकती है। ऐसे में यह मुकाबला युवा जोश और अनुभवी गेंदबाजी के बीच दिलचस्प टक्कर साबित होगा।

धुरंधर–2 का धमाका तोड़ रही बड़े रिकॉर्ड

यूनिक समय, नई दिल्ली। धुरंधर 2 इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है। रणवीर सिंह स्टारर यह फिल्म न सिर्फ भारत में बल्कि दुनियाभर में कमाई के नए रिकॉर्ड बना रही है। रिलीज के दो हफ्तों के भीतर ही फिल्म ने वर्ल्डवाइड 1500 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है।

फिल्म तेजी से 1000 करोड़ क्लब की ओर बढ़ रही है और उम्मीद है कि वीकेंड तक यह उपलब्धि हासिल कर लेगी। खास बात यह है कि 'धुरंधर 2' अब 'बाहुबली 2' और 'पुष्पा 2' जैसी बड़ी फिल्मों के रिकॉर्ड को चुनौती दे रही है।

वर्ल्डवाइड कलेक्शन के मामले में यह फिल्म अब चौथे स्थान पर पहुंच चुकी है। इससे आगे 'दंगल' पहले, 'बाहुबली 2' दूसरे और 'पुष्पा 2' तीसरे स्थान पर हैं। 'धुरंधर 2' की मौजूदा कमाई 1523 करोड़ रुपये से अधिक हो चुकी है, जो इसे तेजी से शीर्ष की ओर ले जा रही है।

अमेरिकी बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म ने इतिहास रच दिया है। इसने करीब 24.39 मिलियन डॉलर की कमाई कर 'बाहुबली 2' का रिकॉर्ड तोड़ दिया है और अमेरिका में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है।

निर्देशक आदित्य धर की यह फिल्म दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। दमदार कहानी और रणवीर सिंह की जबरदस्त परफॉर्मेंस के चलते फिल्म का क्रेज लगातार बढ़ रहा है।

जिस रफ्तार से 'धुरंधर 2' आगे बढ़ रही है, उसे देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि आने वाले दिनों में यह और बड़े रिकॉर्ड अपने नाम कर सकती है।

महाकाल की भस्म आरती में कावेरी को मिला अलौकिक अनुभव

यूनिक समय, नई दिल्ली। टीवी एक्ट्रेस कावेरी प्रियम हाल ही में उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर पहुंचीं, जहां उन्होंने बाबा महाकाल के दर्शन किए। लगातार तीसरे साल यहां आ रहीं कावेरी ने इस अनुभव को बेहद खास और आध्यात्मिक बताया।

उन्होंने कहा कि भस्म आरती के दौरान मिलने वाली ऊर्जा को शब्दों में बयां करना मुश्किल है। यह एक ऐसा अनुभव है, जिसे केवल महसूस किया जा सकता है। मंदिर परिसर में नंदी हॉल में बैठकर कावेरी पूरी तरह शिव भक्ति में लीन नजर आईं।

दर्शन के बाद उन्होंने बताया कि यहां आकर उन्हें मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। कावेरी ने मंदिर प्रशासन और व्यवस्थाओं की भी सराहना की। उनके अनुसार, यहां हर बार दर्शन शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित होते हैं। सोशल मीडिया पर उनकी सादगी और श्रद्धा भरी तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं, जिन्हें फैंस खूब पसंद कर रहे हैं।

यूपी के टोल प्लाजाओं पर बड़ा घोटाला

फर्जी नंबरों का खेल, 900 ओवर लोड वाहनों की एंट्री संदिग्ध

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में टोल प्लाजाओं पर बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है, जिसने परिवहन व्यवस्था और निगरानी तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। लखनऊ के इटौंजा टोल प्लाजा की जांच में खुलासा हुआ कि एक महीने में गुजरने वाले 1600 ओवरलोड वाहनों में से करीब 900 के टोल फर्जी नंबरों पर काटे गए। हैरानी की बात यह है कि इन नंबरों का किसी भी वाहन रिकॉर्ड में कोई अस्तित्व ही नहीं मिला।

परिवहन विभाग को जब एनएचएआई की ओर से ओवरलोड वाहनों की सूची मिली और जांच शुरू हुई, तो अधिकारियों के होश उड़ गए। कई नंबर ऐसे पाए गए जिनमें किसी राज्य का कोड ही नहीं था, फिर भी उन्हीं पर टोल रसीदें जारी की गईं। इससे साफ संकेत मिलता है कि यह गड़बड़ी तकनीकी नहीं बल्कि सुनियोजित घोटाला है। एक मामले में एआरटीओ टीम ने ओवरलोड ट्रक को रोका तो उसकी टोल पर्ची पर दर्ज वाहन नंबर फर्जी निकला। जांच में पाया गया कि मैनुअल भुगतान के जरिए यह खेल चल रहा था, जिसमें चालक नकली नंबर बताकर टोल कटवा रहे थे। इस दौरान टोलकर्मियों की मिलीभगत की भी आशंका जताई जा रही है।

अधिकारियों का कहना है कि फास्टैग से बचने और कार्रवाई से बचने के लिए यह तरीका अपनाया जा रहा है। फिलहाल मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच तेज कर दी गई है। यह घोटाला न सिर्फ राजस्व नुकसान का कारण बन रहा है, बल्कि सड़क सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा बन गया है।

बुर्के में लूट: प्रेमी संग फरार होने की साजिश, गर्भवती आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, अयोध्या । अयोध्या में दिनदहाड़े ज्वेलरी शॉप लूट की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में 25 वर्षीय पायल को उसके प्रेमी राहुल के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, पायल ने पहचान छिपाने के लिए बुर्का पहनकर दुकान में प्रवेश किया और नकली पिस्टल के बल पर करीब 3.6 लाख रुपये के सोने के आभूषण लूट लिए। वारदात के दौरान राहुल दुकान से कुछ दूरी पर बाइक लेकर खड़ा था, जिसके साथ पायल फरार हो गई। जांच में सामने आया कि दोनों ने तीन दिन तक दुकान की रेकी की थी और पूरी योजना के तहत घटना को अंजाम दिया। चौंकाने वाली बात यह है कि पायल की शादी हो चुकी है और वह चार महीने की गर्भवती है। पुलिस का दावा है कि लूट के बाद दोनों भागने की फिराक में थे। घटना के खुलासे के लिए पुलिस ने करीब 60 सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसके आधार पर आरोपियों तक पहुंच बनाई गई। पुलिस ने लूटे गए गहने और नकली पिस्टल भी बरामद कर ली है। फिलहाल दोनों को जेल भेज दिया गया है और मामले की आगे जांच जारी है।

गोदाम की दीवार तोड़ कर ले गए 108 सिलेंडर

यूनिक समय, लखीमपुर खीरी । उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में एलपीजी संकट के बीच चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। पलिया क्षेत्र में स्थित एक गैस एजेंसी के गोदाम से चोरों ने दीवार तोड़कर 108 गैस सिलेंडर पार कर दिए। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है और पुलिस भी जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, करुणा गैस एजेंसी के गोदाम को शुक्रवार रात निशाना बनाया गया। चोर दीवार काटकर अंदर घुसे और बड़ी संख्या में सिलेंडर चोरी कर ले गए। चोरी किए गए सिलेंडरों में 98 भरे हुए और 10 खाली बताए जा रहे हैं। घटना की जानकारी शनिवार सुबह उस समय हुई, जब कर्मचारी गोदाम पहुंचे और टूटी दीवार देखकर हैरान रह गए। एजेंसी संचालक ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की

गैस संकट में बढ़ी चोरी की टेंशन

गई। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और आशंका जताई जा रही है कि चोर किसी वाहन की मदद से इतनी बड़ी संख्या में सिलेंडर ले गए। गौरतलब है कि जिले में पहले से ही एलपीजी की किल्लत बनी हुई है, जिससे सिलेंडरों की मांग बढ़ी हुई है। ऐसे में इस तरह की बड़ी चोरी ने कालाबाजारी की आशंका को और बढ़ा दिया है। आम लोगों को जहां गैस सिलेंडर के लिए जूझना पड़ रहा है, वहीं इस घटना ने प्रशासन की चिंता भी बढ़ा दी है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही चोरों का पता लगाकर कार्रवाई की जाएगी।

काशी के स्वाद पर फिदा एमपी के सीएम

कचौड़ी-जलेबी और लस्सी का लिया आनंद

यूनिक समय, वाराणसी। वाराणसी दौरे पर पहुंचे मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का एक अलग ही अंदाज देखने को मिला। शनिवार सुबह वे काशी की गलियों में स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लेते नजर आए। एयरपोर्ट की ओर जाते समय उनका काफिला मिंट हाउस स्थित श्रीराम भंडार पर रुका, जहां उन्होंने कचौड़ी, पूरी-भाजी, जलेबी और लस्सी का आनंद लिया।

सीएम का यह सादा और सहज अंदाज लोगों को काफी पसंद आया। आम लोगों के बीच बिना औपचारिकता के बैठकर नाश्ता करते हुए उन्होंने स्थानीय संस्कृति से जुड़ाव का संदेश दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत के हर शहर की अपनी खान-पान परंपरा होती है, जो उसकी पहचान को दर्शाती है और हमारी सांस्कृतिक विरासत का अहम हिस्सा है।

स्थानीय लोगों ने भी मुख्यमंत्री से मुलाकात की और उनके व्यवहार की सराहना की। उनका यह अंदाज सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बना हुआ है। काशी के स्वाद और सादगी के इस संगम ने एक बार फिर यह दिखा दिया कि बड़े पद पर होने के बावजूद जमीन से जुड़े रहना ही असली पहचान है।

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

टीजीटी-एलटी भर्ती में अब टीईटी अनिवार्य, हजारों अभ्यर्थियों पर असर

यूनिक समय, लखनऊ । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश में शिक्षक भर्ती को लेकर बड़ा और अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि टीजीटी (ट्रेंड ग्रेजुएट टीचर) और एलटी ग्रेड की नई भर्तियों में अब शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) पास करना अनिवार्य होगा। इस फैसले से हजारों अभ्यर्थियों पर सीधा असर पड़ने वाला है, खासकर उन उम्मीदवारों पर जो बिना टीईटी के भर्ती की उम्मीद लगाए बैठे थे।

न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की खंडपीठ ने जयहिंद यादव और अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। याचिका में एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती 2025 के विज्ञापन को चुनौती दी गई थी, जिसमें टीईटी को अनिवार्य योग्यता के रूप में स्पष्ट नहीं किया गया था। कोर्ट ने इसे शिक्षा के अधिकार अधिनियम-2009 के प्रावधानों के खिलाफ माना।

हाईकोर्ट ने कहा कि उत्तर प्रदेश अधीनस्थ शैक्षिक सेवा नियमावली-1983 के तहत अब टीईटी पास करना जरूरी योग्यता के रूप में शामिल किया जाएगा। साथ ही कोर्ट ने भर्ती विज्ञापन में खामियों को भी उजागर किया और आयोग को निर्देश दिया कि स्पष्ट रूप से यह बताया जाए कि भर्ती कक्षा 9 और 10 के लिए है।

कोर्ट ने यह भी माना कि प्रदेश में ऐसे कई विद्यालय हैं जहां कक्षा 6 से 12 तक पढ़ाई होती है, ऐसे में आयोग का यह दावा कि जूनियर कक्षाओं के पद खाली नहीं हैं, तार्किक नहीं है।

इस फैसले के बाद अब भविष्य की सभी टीजीटी और एलटी भर्तियों में टीईटी पास अभ्यर्थियों को ही मौका मिलेगा, जिससे भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और गुणवत्ता बढ़ने की उम्मीद है।

सीएम योगी ने विश्वनाथ-कालभैरव किए के दर्शन

शिव भक्ति के साथ शुरू किया स्कूल चलो अभियान

यूनिक समय, वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को वाराणसी दौरे के दौरान धार्मिक और शैक्षिक कार्यक्रमों में भाग लिया। सुबह उन्होंने काशी विश्वनाथ मंदिर में बाबा विश्वनाथ के दर्शन-पूजन किए और इसके बाद काल भैरव मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की।

दर्शन के बाद मुख्यमंत्री ने आसपास के दुकानदारों और बच्चों से मुलाकात की। उन्होंने बच्चों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना और उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया। इसके बाद उन्होंने काशी से ही पूरे प्रदेश में "स्कूल चलो अभियान" का शुभारंभ किया।

कंपोजिट विद्यालय शिवपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री बच्चों के बीच काफी सहज नजर आए। उन्होंने खुद बच्चों को स्कूल बैग और किताबें वितरित कीं तथा पांच निपुण छात्रों को सम्मानित भी किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि अब प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था में बड़ा बदलाव आया है।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि 2017 से पहले शिक्षा सरकार की प्राथमिकता में नहीं थी, लेकिन अब पारंपरिक शिक्षा के साथ तकनीकी शिक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य बच्चों को बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने बच्चों द्वारा तैयार की गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया और उनके प्रोजेक्ट्स के बारे में जानकारी ली। इस मौके पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम भी देखने को मिले। इस पहल के जरिए सरकार का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा बच्चों को स्कूल से जोड़ना और शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

दादरा-नगर हवेली में गैस सिलेंडर ब्लास्ट

चार लोगों की दर्दनाक मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। दादरा और नगर हवेली में शनिवार को एक बड़ा औद्योगिक हादसा हो गया, जब एक इंडस्ट्रियल क्षेत्र में नाइट्रोजन गैस सिलेंडर में जोरदार विस्फोट हो गया। इस दर्दनाक घटना में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विस्फोट इतना तेज था कि आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। धमाके की आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी और मौके पर मौजूद लोग जान बचाकर इधर-उधर भागने लगे। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया।

घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह हादसा नाइट्रोजन गैस सिलेंडर में तकनीकी खराबी या लापरवाही के कारण हुआ हो सकता है। हालांकि, विस्फोट के सही कारणों का अभी तक आधिकारिक खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस और संबंधित विभागों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा था या नहीं। इस हादसे ने एक बार फिर औद्योगिक क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था और सतर्कता को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

राघव चड्ढा को हटाने पर आप पार्टी में बढ़ा सियासी विवाद

यूनिक समय, आगरा। आगरा में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने पार्टी के अंदर चल रहे विवाद और राघव चड्ढा को उपनेता पद से हटाए जाने पर खुलकर बयान दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने यह फैसला इसलिए लिया क्योंकि चड्ढा संसद में आम लोगों से जुड़े अहम मुद्दों को प्रभावी ढंग से नहीं उठा पा रहे थे।

संजय सिंह के मुताबिक, देश में रोजगार, महंगाई, गैस संकट और किसानों की समस्याएं जैसे बड़े मुद्दे हैं, लेकिन इन पर अपेक्षित आवाज नहीं उठाई जा रही थी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि चड्ढा ने कई अहम मौकों पर पार्टी लाइन का समर्थन नहीं किया और कुछ मुद्दों पर वॉकआउट में भी हिस्सा नहीं लिया।

इस फैसले के बाद पार्टी के अंदरूनी हालात को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। वहीं, जनसभा के दौरान संजय सिंह ने भाजपा पर भी जमकर निशाना साधा और उसे "झगड़ा कराने वाली पार्टी" बताया।

उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली जैसी सुविधाएं चाहिए तो आम आदमी पार्टी को समर्थन दें। इस घटनाक्रम से साफ है कि पार्टी के भीतर मतभेद अब खुलकर सामने आने लगे हैं।

कांग्रेसी नेता पर 78 करोड़ का बिजली बिल, परिवार के उड़े होश

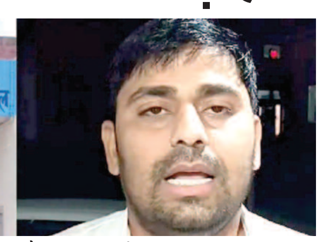

यूनिक समय, नई दिल्ली। हरियाणा के नारनौल में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां यूथ कांग्रेस नेता पुनीत बुलाना के घर बिजली विभाग ने 78 करोड़ 92 लाख रुपये का बिल भेज दिया। यह बिल देखकर परिवार के होश उड़ गए और उन्होंने इसे बड़ी लापरवाही बताया है।

यह कनेक्शन उनकी मां बिमला देवी के नाम पर है, जिससे पहले एक छोटी आटा चक्की चलती थी, लेकिन वह पिछले दो साल से बंद है। इसके बावजूद विभाग ने महज छह दिन की मीटर रीडिंग के आधार पर यह भारी-भरकम बिल जारी कर दिया। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि बिल में 9,99,99,429 यूनिट बिजली खपत दिखाई गई है, जो किसी भी सामान्य उपभोक्ता के लिए असंभव है। कुल बिल में 71 करोड़ से अधिक एनर्जी चार्ज और अन्य टैक्स शामिल हैं।

परिवार के अनुसार, पहले उनका बिल सामान्य आता था और हाल ही में उन्होंने करीब 63 हजार रुपये का भुगतान भी किया था। अचानक करोड़ों का बिल आने से वे परेशान हैं। प्रारंभिक जांच में इसे तकनीकी गड़बड़ी या डाटा एंट्री की गलती माना जा रहा है। हालांकि, विभाग की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

लिव-इन रिश्ते का अंत, बॉयफ्रेंड ने की थी युवती की हत्या

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में लिव-इन रिलेशन में रह रही 29 वर्षीय युवती की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मृतका की पहचान प्रियंका शंकर वांढरे के रूप में हुई है। शुरुआत में इस घटना को आत्महत्या बताने की कोशिश की गई, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने सच्चाई उजागर कर दी। रिपोर्ट के मुताबिक, युवती की हत्या गला घोंटकर की गई थी। आरोपी ने मोबाइल चार्जर के केबल से गला कसकर इस वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद उसने परिजनों को फोन कर झूठी जानकारी दी कि युवती बात नहीं कर रही है।

जब परिजन मौके पर पहुंचे तो प्रियंका अचेत अवस्था में मिलीं और अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पहले इसे सामान्य मौत माना गया, लेकिन बाद में रिपोर्ट आने पर मामला हत्या में बदल गया।

पुलिस ने जांच के बाद आरोपी बॉयफ्रेंड अंकेश बहीरवार को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों कुछ समय से लिव-इन में रह रहे थे। शुरुआती जांच में आपसी विवाद को हत्या की वजह माना जा रहा है।

24 घंटे में युद्ध का पलटा पासा

ईरान ने अमेरिका को किया चारों खाने चित्त

यूनिक समय, नई दिल्ली। ईरान और अमेरिका के बीच जारी संघर्ष में पिछले 24 घंटे बेहद अहम रहे। ईरान ने दावा किया है कि उसने इस दौरान अमेरिकी सैन्य ताकत को बड़ा नुकसान पहुंचाया है और कई लड़ाकू विमान व हेलीकॉप्टर मार गिराए हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान ने अमेरिकी एफ-35, एफ-15 और ए-10 जैसे अत्याधुनिक विमानों को निशाना बनाया। इसके अलावा चिनूक और ब्लैक हॉक जैसे हेलीकॉप्टरों को भी नुकसान पहुंचाने का दावा किया गया है।

बताया जा रहा है कि कुछ हमले खाड़ी क्षेत्र और कुवैत के आसपास हुए, जहां अमेरिकी सैन्य गतिविधियां जारी थीं। ईरान के अनुसार, उसने ड्रोन और मिसाइलों के जरिए इन लक्ष्यों को भेदा। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि पूरी तरह नहीं हो सकी है। अमेरिकी अधिकारियों ने कुछ घटनाओं में नुकसान की बात स्वीकार की है, लेकिन सभी दावों की पुष्टि नहीं की है। इस बीच, पायलटों की तलाश और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में ईरान की सैन्य क्षमता को कमजोर करने का दावा किया था। इसके जवाब में ईरान की यह कार्रवाई उसकी जवाबी ताकत को दिखाती है। मौजूदा हालात संकेत दे रहे हैं कि यह संघर्ष और गहराता जा सकता है, जिससे पूरे क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ने की आशंका है।

ईरान ने ठुकराई मध्यस्थता

ट्रंप और पाकिस्तान की कूटनीति को झटका

यूनिक समय, नई दिल्ली। ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव के बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता की कोशिशों को बड़ा झटका लगा है। तेहरान ने न केवल पाकिस्तान की पहल को खारिज किया, बल्कि ट्रंप की शर्तों को भी सिरे से ठुकरा दिया है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान ने साफ संकेत दिया है कि वह किसी बाहरी दबाव में आकर समझौता करने को तैयार नहीं है। इसके साथ ही क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है, जहां ईरान ने अमेरिका और उसके सहयोगियों के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई तेज कर दी है।

इस घटनाक्रम से पाकिस्तान की कूटनीतिक स्थिति असहज हो गई है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख असीम मुनीर के लिए यह स्थिति चुनौतीपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि उन्होंने पहले मध्यस्थता को लेकर भरोसा जताया था।

सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान की ओर से शांति वार्ता के लिए कई प्रयास किए गए, लेकिन ईरान की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली। यहां तक कि संभावित वार्ता के लिए प्रस्तावित बैठक को भी ईरान ने स्वीकार नहीं किया। हालांकि पाकिस्तान ने इन रिपोर्टों को खारिज करते हुए इसे "बेबुनियाद" बताया है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी पहल को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

मौजूदा हालात यह संकेत दे रहे हैं कि पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के बजाय और गहराता जा रहा है। ऐसे में आने वाले दिनों में इस संघर्ष के और तेज होने की आशंका जताई जा रही है।

डोली उठने से पहले भाई की उठी अर्थी

सड़क हादसे ने छीनी बहन की खुशियां

यूनिक समय, नई दिल्ली। झारखंड के चतरा जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने खुशियों भरे घर को मातम में बदल दिया। सिमरिया थाना क्षेत्र के मूर्वे स्टेडियम के पास तेज रफ्तार हाइवा ने बाइक सवार युवक को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक 18 वर्षीय चंदन कुमार राणा अपनी बहन की शादी के कार्ड छपवाने बाजार जा रहा था, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था।

बताया जा रहा है कि चंदन की बहन नेहा कुमारी की शादी 1 मई को तय थी और घर में तैयारियां जोरों पर चल रही थीं। इसी बीच यह हादसा हो गया। दुर्घटना में नेहा भी गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक तरफ जहां घर में शहनाई बजने की तैयारी थी, वहीं अब वहां रोने-चीखने की आवाजें गूंज रही हैं।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और फरार हाइवा चालक की तलाश शुरू कर दी है। इस घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

यह हादसा सिर्फ एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि राज्य में बढ़ते सड़क हादसों की भयावह तस्वीर भी है। खासकर चतरा, पलामू, हजारीबाग, बोकारो और धनबाद जैसे इलाकों में ओवरलोड और तेज रफ्तार हाइवा ट्रकों का आतंक लगातार बढ़ रहा है। नियमों की अनदेखी और लापरवाही के कारण हर दिन कई जिंदगियां असमय खत्म हो रही हैं। जरूरत है कि प्रशासन सख्ती दिखाए और सड़क सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन कराया जाए, ताकि किसी और घर की खुशियां इस तरह मातम में न बदलें।

ईरान का तंज: "ट्रंप कुछ बोलिए", हम बोर हो रहे हैं...

यूनिक समय, नई दिल्ली। ईरान-अमेरिका तनाव के बीच बयानबाजी भी तेज हो गई है। बीते 24 घंटे में हमलों के बाद ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर तंज कसते हुए कहा, "कुछ तो बोलिए, हम बोर हो रहे हैं।" यह टिप्पणी ईरानी दूतावास की ओर से सामने आई। वहीं, ट्रंप के दावों के विपरीत ईरान लगातार जवाबी कार्रवाई कर अपनी सैन्य क्षमता दिखा रहा है, जिससे हालात और तनावपूर्ण होते जा रहे हैं।

बिजली और मूसलाधार बारिश ने जनजीवन किया अस्त-व्यस्त

यूनिक समय, मथुरा। शनिवार की शाम मौसम ने फिर अंगडाई ली। रात का अंधियारा होने से पहले आसमान में छाए काले बादलों ने जिले के अधिकांश क्षेत्रों में अंधेरा सा कर दिया। आसमान में बादलों के बीच कड़कड़ाती बिजली और मूसलाधार बारिश से जन जीवन अस्त व्यस्त सा हो गया। कोसीकलां मंडी परिसर में अन्नदाता का रखा अनाज पानी में पूरी तरह से तर तबर हो गया। यहां टीन शैड न होने से अनाज से भरी बोरियां खुले मैदान में रखी थीं बारिश के कारण सभी बोरियों में पानी भर गया। हैरान की बात तो यह थी कि मौसम विभाग की ओर से रोजाना मौसम खराब होने के संकेत मिल रहे हैं, फिर मंडी के अधिकारी इन बोरियों को सुरक्षित स्थान पर रखवा नहीं सके। उधर, वृंदावन में बारिश मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं की आस्था को रोक नहीं सकी। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर और ठाकुर राधाबल्लभ लाल मंदिर समेत अन्य मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी। मथुरा के बाजारों में बारिश आने से लोगों के बीच अफरा तफरी सी मच गई। लोग बारिश से बचने के लिए सुरक्षित स्थानों में जाकर खड़े हो गए। रास्ते में दो पहिया वाहन चला रहे लोग भी सुरक्षित स्थानों पर खड़े हो गए। मूसलाधार बारिश से कई इलाकों की विद्युत गुल हो गई।

मथुरा में शनिवार की शाम हुई बारिश का नजारा।

ब्रज-वृन्दावन धरोहर संरक्षण विचार मंच की बैठक

ट्रैफिक जाम पर जताई नाराजगी

ब्रज-वृन्दावन धरोहर संरक्षण विचार मंच की बैठक में प्रबुद्धजन।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृन्दावन। ब्रज-वृन्दावन धरोहर संरक्षण विचार मंच के तत्वावधान में ब्रज-वृन्दावन में आम जनमानस को हो रही भयंकर परेशानियों को लेकर जुगलकिशोर महाराज की अध्यक्षता में ठा. किशोर वन में बैठक हुई। इसमें वृन्दावन की चरमराती ट्रैफिक व्यवस्था, सकरी गलियों में बेलगाम दौड़ते ई-रिक्शा की अनियंत्रित संख्या/अपंजीकरण, विद्यापीठ चौराहे पर मानकों के विपरीत रैलिंग एवं जूताघर बनाने, वन-वे ट्रैफिक लागू करने, अतिक्रमण आदि जनसमस्याओं को लेकर विचार रखे। जयकिशोर गोस्वामी एवं भागवतकृष्ण नांगिया ने कहा कि वर्तमान में मंदिरों की नगरी के हालात भयावह हैं। दिनों-दिन स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। शासन-प्रशासन की मूकदर्शिता का खामियाजा आम जनमानस को भुगतना पड़ रहा है। हरिनिकुंज चौराहे से विद्यापीठ तक मानकों के विपरीत रेलिंग्स लगाकर सड़क पर अतिक्रमण कर लिया है, इतना ही नहीं उस पर जूताघर बनाकर उक्त मार्ग को प्रभावित कर दिया गया है। संयोजक महंत मधुमंगल शरण दास शुक्ला ने बताया कि जिला प्रशासन आम ब्रजवासियों पर ब्रिटिश सरकार की तरह जुल्म ढहा रहा है। उन्होंने शहर की अनियंत्रित यातायात व्यवस्था की स्थिति इलाहाबाद हाईकोर्ट के पटल पर रखने की बात कही। बैठक में मथुरा-वृन्दावन मार्ग पर खुले शराब के ठेके पर भी नाराजगी व्यक्त की। बैठक में आचार्य नरेश नारायण, सुधीर शुक्ला, पवन ठाकुर, अमित कुमार शर्मा, पुरुषोत्तम शर्मा, गोपाल शरण शर्मा, योगेश योगीराज, दीपक पाराशर, प्रहलाद कृष्ण शुक्ला, राजेश सेन, हेमसागर शुक्ला, जितेन्द्र सिंह, ब्रजेश कुमार, श्याम सुंदर, गणेश कुमार शर्मा एवं आशुतोष शर्मा आदि ने विचार व्यक्त किए।

कुत्तों के प्रबंधन को लेकर छात्राओं को किया जागरूक

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार आरसीए बालिका संस्थागत परिसर में कुत्तों के काटने की रोकथाम तथा आवारा कुत्तों के प्रबंधन को लेकर नोडल अधिकारी डॉ. सोनम यादव के नेतृत्व में एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. चन्द्र प्रकाश अग्रवाल ने कुत्तों के पालन-पोषण, उनसे होने वाली बीमारियों तथा उनसे बचाव के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने संक्रमित कुत्तों की पहचान के लक्षणों के बारे में भी बताया, जिससे समय रहते सावधानी बरती जा सके। साथ ही उन्होंने कुत्तों के नियमित टीकाकरण के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि कुत्ते भी समाज का हिस्सा हैं। प्राचार्या प्रो.अंजुबाला अग्रवाल ने ज्ञानवर्धक बताते हुए छात्राओं से इसे जीवन में अपनाने की अपील की। इस अवसर पर डॉ.भारती सागर, डॉ. स्मृति शर्मा, डॉ. गरिमा, शताक्षी सिंह, डॉ.राजेश वर्मा, निकिता वार्ष्णेय, भावना सहित महाविद्यालय की अन्य प्राध्यापिकाएं एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

मिशन शक्ति 5.0 में 12 बहादुर महिलाओं को मिला सम्मान

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में महिलाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति 5.0 अभियान (द्वितीय चरण) के अंतर्गत तहसील मांट के सभागार में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने बहादुरी का परिचय देने वाली खुशी, रवीना, प्राची और मोनिका शर्मा, थाना सुरीर की विजय लक्ष्मी, आशा रानी, दिव्या कुमारी और रश्मि तथा थाना नौहझील क्षेत्र की शीतल, लक्ष्मी रावत, दीप्ति,रूबी यादव को सम्मानित किया गया। इन सभी

डीएम व एसएसपी ने मांट तहसील में किया सम्मान

महिलाओं ने महिला सुरक्षा, जागरूकता और आत्मरक्षा से जुड़े अभियानों में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए समाज में सकारात्मक संदेश दिया। जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा कि महिलाओं का साहस और जागरूकता ही समाज को सुरक्षित बना सकती है। इस मौके पर जिलाधिकारी मांट रितु सिरोही एवं क्षेत्राधिकारी मांट संदीप कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

अमेरिका तक से लोग आते हैं सूर्य नारायण मंदिर भरना खुर्द में दर्शन को

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन तहसील के गांव भरना खुर्द में सूर्य नारायण भगवान का मंदिर है। यहां पर अमेरिका तक से लोग दर्शन के लिए आते हैं। इस मंदिर का निर्माण द्वापर युग में राधा रानी द्वारा कराया गया था। मंदिर के पास में ही एक सरोवर बना हुआ है यही वह सरोवर है, जिसमें से भगवान सूर्य नारायण की मूर्ति निकली थी। यह मंदिर बड़ा ही प्राचीन है यहां राधा रानी सूर्य पूजा करने के लिए आई थी। पूरे भारत के साथ-साथ यहां विदेश के लोग भी दर्शनों के लिए आते हैं। आपको बता दे इस मंदिर में पूजा करने से हो जाती है मन की सभी मुरादे पूरी।

लक्ष्य ने भारत बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया नाम,दो स्वर्ण पदक

यूनिक समय, मथुरा। जनपद के नन्हे खिलाड़ी लक्ष्य शर्मा ने अपनी प्रतिभा और मेहनत से एक बार फिर शहर का नाम रोशन किया है। लक्ष्य का नाम भारत बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में आधिकारिक रूप से दर्ज किया गया है। 19 फरवरी को स्केट्स पर 13.03 किलोमीटर की दूरी तय कर नया कीर्तिमान स्थापित किया। उन्होंने यह दूरी 39 मिनट 34 सेकंड में पूरी की। यह उपलब्धि जीपीएस डेटा के आधार पर की गई। उन्होंने सीबीएसई गेम्स में स्केटिंग में अपना पहला पदक जीतकर जनपद का नाम रोशन किया है। लक्ष्य के पिता ने बताया कि यह उनके परिवार के लिए गर्व का क्षण है। उन्हें उम्मीद है कि भविष्य में लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश का नाम रोशन करेंगे।

जिले में सजीव प्रसारण के साथ निकाली गई जागरूकता रैली

यूनिक समय, मथुरा। प्रदेश के मुख्यमंत्री के द्वारा आज किए गए स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ वाराणसी के कंपोजिट विद्यालय में इस अभियान का शुभारंभ किया गया। जिले में इसके अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय रांची बांगर में बच्चों के साथ बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने बच्चों के साथ बैठकर यह कार्यक्रम देखा। कार्यक्रम के उपरांत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा नव नामांकित बच्चों को पाठ्यपुस्तकें वितरित की गईं। विद्यालय के बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। इस मौके पर प्रधानाध्यापिका सुनीता गुप्ता, विक्रांत कुमार,राहुल सिंह, अमित कुमार, दिव्या मिश्रा, गिरीश कौशिक, देवेंद्र सिंह, प्रकाश अग्रवाल, स्तुति पांडेय, नेहा एवं प्रीति भटनागर सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। संचालन सहायक अध्यापक गोविंद चौहान ने किया।

मिशन शक्ति के तहत मांट समाधान दिवस के अवसर पर महिलाओं के अधिकारों के बारे में बताया

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना "मिशन शक्ति" के अंतर्गत चलाए जा रहे फेज 5.0 के द्वितीय चरण में 30 दिवसीय विशेष अभियान के क्रम में थाना नोहझील, सुरीर पुलिस द्वारा महिलाओं को जागरूक करते हुए उनके अधिकारों व उनके बचाव के बारे में किया गया। साथ ही सरकार के द्वारा दी जा रहीं महिलाओं को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी बताया गया। इस मौके पर दीप्ति सिंह, दिव्या कुमारी, प्राची तोमर ने महिलाओं और बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।

मथुरा के एक मामले में हाईकोर्ट सख्त

मंत्री के नाम के आगे श्रीमान और माननीय क्यों नहीं लिखा

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा/ प्रयागराज। एफआईआर में केंद्रीय मंत्री के नाम के आगे 'माननीय' या 'श्रीमान' नहीं लगाने पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई है। बेंच ने यूपी पुलिस से पूछा- एफआईआर केंद्रीय मंत्री पर दर्ज हो रही थी तो उनके नाम के आगे सम्मानजनक शब्दों का प्रयोग क्यों नहीं किया गया।

दरअसल, हाईकोर्ट 31 मार्च को मथुरा में एक्सीडेंट के एक मामले में दर्ज एफआईआर को रद्द करने की सुनवाई कर रहा था। जस्टिस जेजे मुनीर और जस्टिस तरुण सक्सेना की बेंच ने सुनवाई करते हुए कहा- भले ही लिखित रिपोर्ट में, मंत्री का उल्लेख प्रथम सूचनादाता द्वारा अनुचित ढंग से किया गया हो, किंतु चेक एफआईआर लिखते समय, यह पुलिस का कर्तव्य था कि वह प्रोटोकॉल का पालन करते हुए सम्मानसूचक शब्द का प्रयोग करें, भले ही उसे ब्रैकेट्स में ही क्यों न लिखा गया हो।

कोर्ट ने इस संबंध में अपर मुख्य सचिव (गृह) से हलफनामा दाखिल करके बताने को कहा है कि क्यों एफआईआर में केंद्रीय मंत्री का नाम सम्मानजक शब्द माननीय के साथ नहीं लिखा गया। हाईकोर्ट इस मामले की सुनवाई छह अप्रैल को करेगा।

मथुरा जिले के हाईवे थाने में साल 2025 के एक एफआईआर मामले में हाईकोर्ट सुनवाई कर रहा है। इसमें

हाईवे पुलिस की एफआईआर में लापरवाही पर अपर मुख्य सचिव गृह सचिव तलब

आपराधिक धमकी और आपराधिक विश्वासघात के आरोपों वाली एफआईआर को रद्द करने की मांग की गई है। पुलिस शिकायत के अनुसार, आरोप है कि आरोपी ने शिकायतकर्ता से नौकरी दिलाने के बहाने 80 लाख रुपए लिए थे। बाद में वे यह रकम लौटाने में नाकाम रहे और उन्होंने शिकायतकर्ता को जान से मारने की धमकी भी दी।

इस मामले में केंद्रीय मंत्री का नाम एफआईआर में दर्ज है। हालांकि, वह आरोपी नहीं हैं। एफआईआर को रद्द कराने के लिए हर्षित शर्मा, राहुल शर्मा, चिंटू चौधरी आदि ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है।

नौकरशाहों के लिए 'माननीय' शब्द सही नहीं 19 दिसंबर 2025 को इलाहाबाद हाईकोर्ट की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि 'माननीय' का प्रयोग केवल मंत्रियों और अन्य संप्रभु पदाधिकारियों के लिए उपयुक्त है, न कि नौकरशाहों या राज्य सरकार के अफसरों के लिए। कोर्ट ने यह भी उल्लेख किया कि इटावा के डीएम ने कानपुर के संभागीय आयुक्त को पत्राचार में 'माननीय आयुक्त' कहकर संबोधित किया है।

शालिहोत्र इंस्टिट्यूट ऑफ वेटरिनरी आयुर्वेद
गौ-गाँव, परखम-281122 मथुरा (उ.प्र.)

वॉक-इन इंटरव्यू /भर्ती सूचना
योग्य, अनुभवी एवं समर्पित अभ्यर्थियों से निम्नलिखित पदों हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं

1. प्राचार्य (Principal)- 01
2. पशु चिकित्सक (Veterinary Officer)- 01
3. Veterinary Pharmacist- 01

शैक्षणिक योग्यता
प्राचार्य: Veterinary Science के किसी भी विषय में PhD: M.V.Sc. (Veterinary Medicine/Surgery/Obstetrics & Gynaecology)
वांछनीय: शैक्षणिक/प्रशासनिक अनुभव
पशु चिकित्सक: B.V.Sc. & A.H.
वांछनीय: Clinical subjects में M.V.Sc.
Veterinary Pharmacist : Veterinary Pharmacy में 2 वर्षीय डिप्लोमा
वांछनीय: संबंधित कार्य का अनुभव

विशेष प्राथमिकता
गौसेवा एवं ग्रामीण क्षेत्र में कार्य करने के इच्छुक अभ्यर्थियों को वरीयता दी जाएगी।

वेतन/सुविधाएं:
योग्यता एवं अनुभव के अनुसार आकर्षक वेतन एवं अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।
इच्छुक अभ्यर्थी अपना विस्तृत बायोडाटा एवं आवश्यक प्रमाण पत्र निम्न ईमेल पर भेजें
deendayalgaushala@gmail.com Mob: +91 99508 69561
शॉर्टलिस्ट किए गए अभ्यर्थियों को 18 अप्रैल 2026 (शनिवार) को सुबह 10 बजे वॉक-इन इंटरव्यू हेतु संस्थान में उपस्थित होना होगा।
साक्षात्कार के लिए कोई यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।